हिंदी
HINDI

केरल पाठावली
Kerala Reader

कक्षा VII
Standard - 7

केरल सरकार

सार्वजनिक शिक्षा विभाग

राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्

केरल, तिरुवनंतपुरम

2024

ST-251-1-HINDI-7-VOL-1

राष्ट्रगान

जनगण-मन अधिनायक जय हे,
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंध-गुजरात-मराठा,
द्राविड़-उत्कल-बंगा
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा,
उच्छल जलधि तरंगा,
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मागे,
गाहे तव जय-गाथा
जनगण-मंगलदायक जय हे,
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे
जय जय जय, जय हे।

प्रतिज्ञा

भारत हमारा देश है। हम सब भारतवासी भाई-बहन हैं। हमें अपना देश प्राणों से भी प्यारा है। इसकी समृद्धि और विविध संस्कृति पर हमें गर्व है। हम इसके सुयोग्य अधिकारी बनने का प्रयत्न सदा करते रहेंगे। हम अपने माता-पिता, शिक्षकों और गुरुजनों का आदर करेंगे और सबके साथ शिष्टता का व्यवहार करेंगे। हम अपने देश और देशवासियों के प्रति वफ़ादार रहने की प्रतिज्ञा करते हैं। उनके कल्याण और समृद्धि में ही हमारा सुख निहित है।

Prepared by:
State Council of Educational Research and Training (SCERT)
Poojappura, Thiruvananthapuram 695012, Kerala
Website: www.scertkerala.gov.in
e-mail: scertkerala@gmail.com
Phone: 0471-2341883, Fax: 0471-2341869
First Edition : 2024
Printed at: KBPS, Kakkanad, Kochi-30
© Department of Education, Government of Kerala

प्रिय छात्रो,

समय की ज़रूरत के अनुकूल समाज के गुणात्मक परिवर्तन को लक्ष्य में रखकर केरल राज्य में शिक्षा के नवीकरण का कार्य चलता आ रहा है। यह नवीकरण छात्रों के मानसिक तथा बौद्धिक स्तर को ध्यान में रखकर ही किया जा रहा है। इस नवीकरण के दौरान सातवीं कक्षा की हिंदी पाठ्यपुस्तक प्रकाशित की जा रही है। संसार और समाज को देखने-परखने के छात्रों के दृष्टकोण को सकारात्मक गति देने में यह सहायक रहेगी। इसकी विभिन्न विधाओं से गुज़रें, विभिन्न गतिविधियों से अपने ज्ञान का विस्तार करें और अपनी क्षमता को बढ़ावा दें। आशा है कि यह पुस्तक इन लक्ष्यों की पूर्ति में सहायक रहेगी।

डॉ. जयप्रकाश. आर.के
निदेशक
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद,
केरल

TEXTBOOK DEVELOPMENT TEAM

Hindi - VII

ADVISOR

Prof. (Dr.) S.R. Jayasree
Professor & Head
Department of Hindi
University Of Kerala, Thiruvananthapuram

CHAIRPERSON

Prof. (Dr.) S.Thankamoni Amma Professor & Head (Rtd.), Department of Hindi
University of Kerala, Thiruvananthapuram

EXPERTS

Prof. (Dr.) N. Suresh
Professor of Hindi (Rtd.), Department of Hindi
University of Kerala, Thiruvananthapuram

Dr. P. Letha
Associate Professor & Head (Rtd.)
Governmet College for Women, Thiruvananthapuram

MEMBERS

Sudheer. J High School Teacher, JFKM VHSS, Karunagapally, Kollam

Dr. Krishnakumar Pillai Higher Secondary School Teacher, GHSS Mangad, Kollam

Vysakh. K.S Trainer, BRC Kilimanoor, Samagra Shiksha Kerala Thiruvananthapuram

Jasmine. S High School Teacher, GGV & HSS Pettah, Thiruvananthapuram

Dr. Mini. P High School Teacher, GBHS Kayamkulam, Alappuzha

Smruthi Sebastian Junior Language Teacher, St. Shantal's HS, Mammood, Kottayam

Dr. Vidhya. A.S Junior Language Teacher, GHSS Thrikkavu, Malappuram

C. Rajendran Art Teacher (Rtd.), Govt. HSS Ochira, Alappuzha

Balakrishnan Kadirur Art Teacher (Rtd.), Govt. HSS Muppathadam, Aluva

Nilesh Gahlot Artist, Piparni, Sardarpur, Dhar, Madhyapradesh

ACADEMIC CO-ORDINATOR

Deepa N Kumar
Research Officer, SCERT Kerala
Thiruvananthapuram

State Council of Educational Research and Training (SCERT), Kerala
राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, केरल

अनुक्रमणिका

शीर्षक	विधा	रचनाकार	पृ. सं
इकाई एक - प्यार			
खुद से प्यार	कविता	शोभनाथ यादव	7-11
साफ़-सफ़ाई में अव्वल गाँव	लेख	ग़ालिब कलीम	12-16
इकाई दो - परिश्रम			
गांधीजी की नमक कथा	कहानी	उदयन वाजपेयी	17-24
यह धरती है उस किसान की	कविता	केदारनाथ अग्रवाल	25-32
इकाई तीन - मुसकान			
बारिश के बाद	कहानी	कनक शशि	33-41
बया हमारी चिड़िया रानी	कविता	महादेवी वर्मा	42-46
इकाई चार - मेल-जोल			
तुम जियो हज़ारों साल साल के दिन हों पचास हज़ार	कहानी	शिराज़ हुसैन	47-53
जन्नत के बच्चे	फ़िल्मी लेख	विवेक मेहता	54-62
इकाई पाँच - नज़ारे			
प्रेम के सिवा और कुछ नहीं	डायरी	जसिंता केरकेट्टा	63-69
हाथियों की रहगुज़र	घटना वर्णन	यादवेंद्र	70-78

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक [1][**संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य**] बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय**,

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म

और उपासना की **स्वतंत्रता**,

प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,

तथा उन **सब में**

व्यक्ति की गरिमा और [2][राष्ट्र की एकता

और अखंडता] सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को **एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।**

---

1. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3-1-1977 से) 'प्रभुत्व-संपन्न लोकतंत्रात्मक गणराज्य' के स्थान पर प्रतिस्थापित।
2. संविधान (बयालीसवां संशोधन) अधिनियम, 1976 की धारा 2 द्वारा (3-1-1977 से) 'राष्ट्र की एकता' के स्थान पर प्रतिस्थापित।

इकाई - 1

प्यार

यह चित्र आपसे क्या बता रहा है?

कविता

खुद से प्यार

शोभनाथ यादव

सूरज अपनी आग से
इतना प्यार करे कि
वह दे सके आग
दुनिया को भी!

दरख़्त अपने फूलों से
इतना प्यार करे कि
वह दे सके फूल
दुनिया को भी!

बादल अपने जल से
इतना प्यार करे कि
वह दे सके जल
दुनिया को भी!

मैं खुद से
इतना प्यार करूँ कि
दे सकूँ प्यार
दुनिया को भी!

'वह दे सके आग' -यहाँ 'आग' से क्या मतलब है?

'दरख़्त' से आपने क्या समझा?

'खुद से प्यार करना' से क्या अर्थ निकलता है?

जोड़ें और वाक्य लिखें :

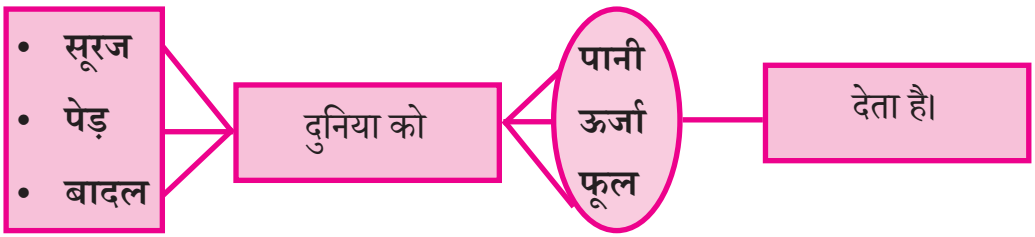

पहचानें और लिखें :

जीवन का आधार है

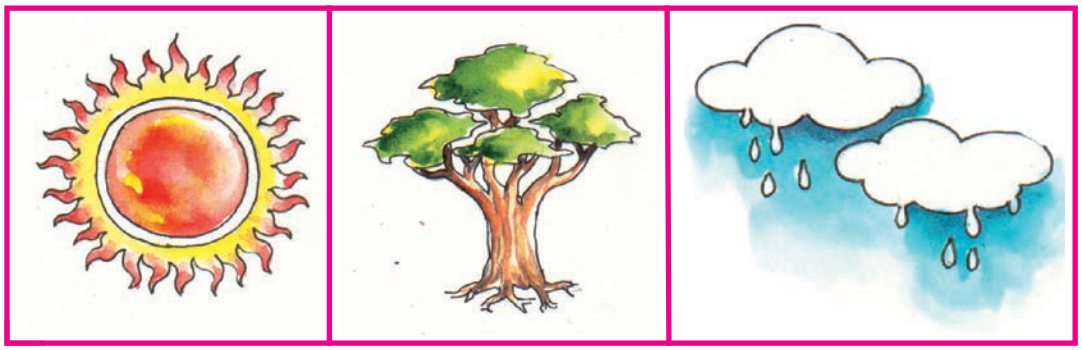

आशय पढ़ें और पंक्तियाँ ढूँढ़ें :

कवि चाहता है,

- सूरज अपनी ऊर्जा से प्यार करे और संसार को ऊर्जा प्रदान करे।
- मेघ अपने पानी से प्यार करे और प्रकृति की प्यास बुझाए।

ये दुनिया को कैसे प्यार करेंगे? अपने विचार लिखें :

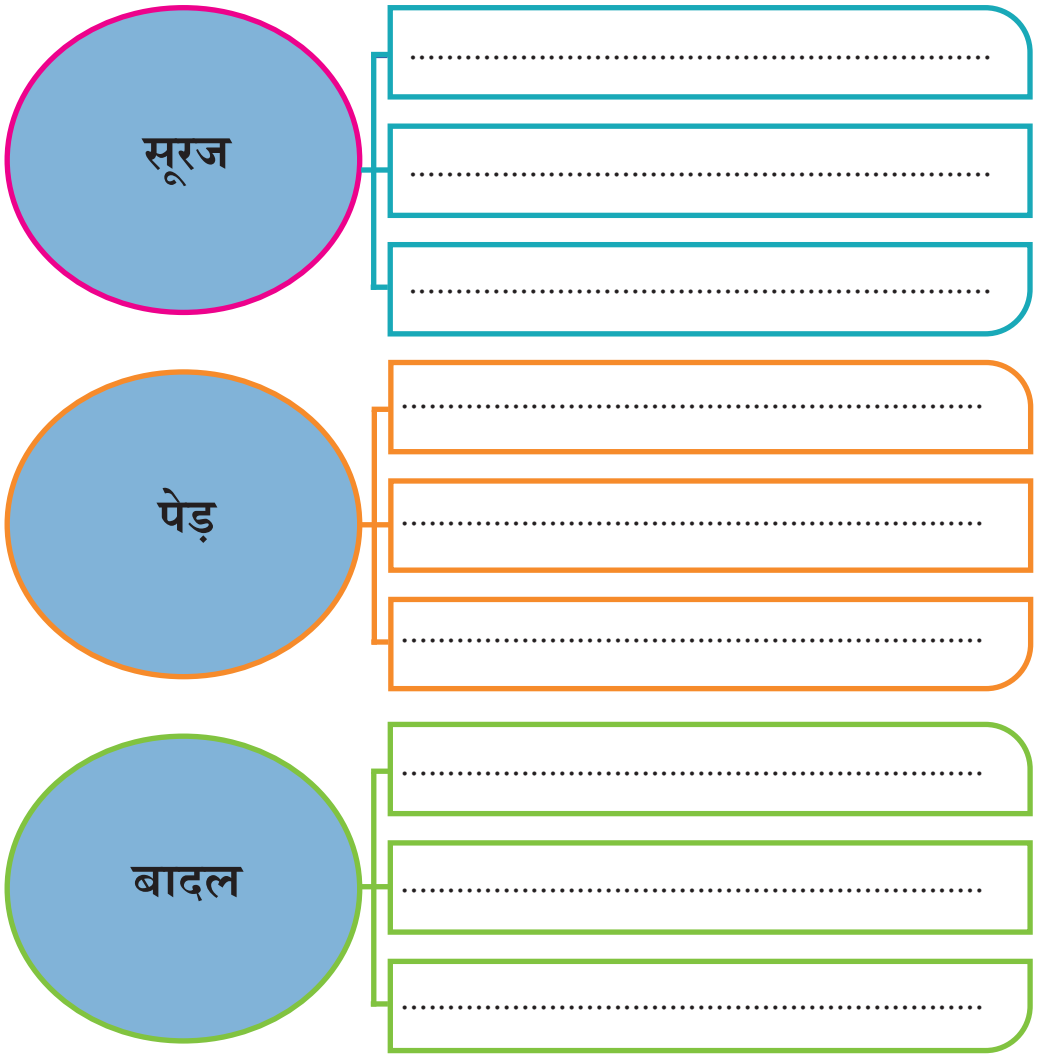

ताल-लय के साथ कविता का आलाप करें।

कविता का आशय लिखें।

कविता के आशय के आधार पर चित्र खींचें।

शोभनाथ यादव
जन्म : 14 जून 1937

शोभनाथ यादव का जन्म उत्तर प्रदेश में हुआ। वे लेखक और संपादक हैं। 'दरख़्तों में सूरज','भस्मासुर की भूमिका','नरक गाथा' आदि उनकी रचनाएँ हैं।

लेख

साफ़-सफ़ाई में अव्वल गाँव

ग़ालिब कलीम

एशिया का सबसे साफ़-सुथरा गाँव मावलिन्नोंग मेघालय में है। साल 2003 में इस गाँव को एशिया के सबसे साफ़-सुथरे गाँव के तौर पर चुना गया। इस गाँव की सबसे बड़ी खासियत यह है कि यहाँ की सारी साफ़-सफ़ाई गाँववाले खुद ही करते हैं। स्वच्छता के लिए यहाँ के लोग किसी तरह से प्रशासन पर निर्भर नहीं हैं।

यहाँ गाँववालों की कौन-सी मनोदशा प्रकट होती है ?

इस छोटे से गाँव में प्लास्टिक पूरी तरह से प्रतिबंधित है। पूरे गाँव में जगह-जगह बाँस से बने हुए डस्टबिन लगाए गए हैं। महिला, पुरुष और बच्चों समेत किसी भी गाँववाले को अगर कहीं गंदगी नज़र आती है तो वे फौरन सफ़ाई में लग जाते

हैं। सफ़ाई के प्रति उनकी जागरूकता का अंदाज़ा तुम इस बात से लगा सकते हो कि अगर सड़क पर चलते हुए उन्हें कहीं भी कचरा नज़र आए तो वे पहले कचरे को डस्टबिन में डालते हैं। फिर आगे बढ़ते हैं। यहाँ लोग अपने घर से निकलनेवाले कूड़े-कचरे को भी डस्टबिन में जमा करते हैं और फिर उसे एक जगह इकट्ठा कर खेती के लिए खाद की तरह इस्तेमाल करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि 130 साल पहले इस गाँव को हैजे की बीमारी ने बुरी तरह से जकड़ लिया था। मेडिकल सुविधा न होने की वजह से इस बीमारी से छुटकारा पाने का एकमात्र उपाय था– सफ़ाई करना। गाँव के लोगों का मानना है कि हमारे पूर्वजों ने कहा था कि तुम सफ़ाई के ज़रिए ही खुद को बचा सकते हो। फिर चाहे वह खाना हो, घर हो, ज़मीन हो, गाँव हो या फिर अपना शरीर ही क्यों न हो, सफ़ाई ज़रूरी है।

जीवन में नीरोग रहने के लिए सफ़ाई के अलावा क्या-क्या उपाय हैं ?

मान लें, मावलिन्नोंग गाँव में पर्यटक आते हैं। वहाँ सूचना पट है। वह कैसा होगा?

मावलिन्नोंग
एशिया का सबसे साफ़-सुथरा गाँव

ध्यान दें ...

.....

'पुनर्चक्रण से प्रकृति का बोझ कम हो जाता है।' चर्चा करके पुनर्चक्रण की सूची तैयार करें :

जैसे –

कूड़े-कचरों से	-	खाद
इस्तेमाल किए गए प्लास्टिक से	-	

सार्थक वाक्य बनाएँ :

साफ़-सफ़ाईहमसबकादायित्वहै।

स्वच्छनहींरहेंगेतोस्वस्थनहींहोंगे।

तनहोयामनसफ़ाईज़रूरीहै।

- .....
- .....
- .....

'नारा गीत' को आगे बढ़ाएँ :

स्वच्छ रहो तुम स्वस्थ बनो
प्रकृति को तुम अपना लो
हरियाली का गीत रचो तुम
शुद्ध हवा को अपना लो

संदेश वाक्य जोड़कर परिस्थिति संरक्षण पर पोस्टर / डिजिटल पोस्टर बनाएँ।

ग़ालिब कलीम

जन्म : 06-06-1984

ग़ालिब कलीम का जन्म बिहार में हुआ। उन्हें घूमने-फिरने का शौक बचपन से ही था। उनका मानना है कि जो चीज़ें हम किताबों में पढ़ते हैं, घूमने के दौरान अपनी आँखों के सामने उन्हें देखना एक अलग अनुभव होता है। वे सिर्फ खूबसूरत नज़ारे ही नहीं देखते बल्कि वहाँ के लोग, उनकी कला, संस्कृति और खान-पान को भी नज़दीक से देखते और समझते हैं। उनकी रचनाएँ अकसर बाल पत्रिकाओं में प्रकाशित होती हैं।

मदद लें...

अव्वल	-	प्रथम श्रेणी का
साफ़-सुथरा	-	വൃത്തിയായ, clean, ಸ್ವಚ್ಛವಾದ, தூய்மையான
के तौर पर	-	രീതിയിൽ, in the manner, ರೀತಿಯಲ್ಲಿ, முறையில்
खासियत	-	विशेषता
सफ़ाई	-	ശുചിത്വം, cleanliness, ಶುಚಿತ್ವ, தூய்மை
प्रशासन	-	ഭരണം, administration, ಆಡಳಿತ, ஆட்சி
स्वच्छता	-	ശുചിത്വം, cleanliness, ಶುಚಿತ್ವ, தூய்மை
निर्भर	-	आश्रित
प्रतिबंधित है	-	നിരോധിച്ചിരിക്കുന്നു, is prohibited, ನಿಷೇಧಿಸಲಾಗಿದೆ, தடைசெய்யப்பட்டுள்ளது
बाँस	-	മുള, Bamboo, ಬಿದಿರು, மூங்கில்
फौरन	-	तुरंत
जागरूकता	-	ഉണർവ്, awareness, ಅರಿವು, விழிப்புணர்வு
अंदाज़ा लगाना	-	अनुमान करना
जमा करना	-	इकट्ठा करना
कूड़ा-कचरा	-	ചപ്പ് ചവറ്, waste, ಕಸ ಕಡ್ಡಿಗಳು, குப்பைக்கூளம்
इकट्ठा करना	-	एकत्रित करना
खाद	-	उर्वरक, വളം, fertilizer, ಗೊಬ್ಬರ, உரம்
इस्तेमाल करना	-	उपयोग करना
हैजा	-	കോളറ, Cholera, ಕಾಲೆರಾ, காலரா
जकड़ लेना	-	कसकर बाँधना
की वजह से	-	के कारण
सुविधा	-	സൗകര്യം, facility, ಸೌಲಭ್ಯ, , வசதி
छुटकारा पाना	-	मुक्त होना
के ज़रिए	-	के द्वारा
ज़रूरी	-	आवश्यक

इकाई - 2

परिश्रम

कुछ लोग सफलता के केवल सपने देखते हैं जबकि अन्य व्यक्ति जागते हैं और कड़ी मेहनत करते हैं।

महात्मा गांधी

ST-251-2-HINDI-7-VOL-1

कहानी

गांधीजी की नमक कथा

उदयन वाजपेयी

एक राजा के तीन बेटियाँ थीं। तुम चाहो तो उस राजा की चार बेटियाँ भी हो सकती हैं इसी कहानी में। राजा ने उनसे पूछा कि वे उन्हें कितना प्यार करती हैं? पहली ने कहा, "मैं तुम्हें उतना सारा प्यार करती हूँ जितना बड़ा सूरज है।" राजा ने खुशी से सिर हिला दिया। दूसरी ने कहा, "मैं तुम्हें उतना चाहती हूँ जितने चाँद-सितारे आसमान में हैं।" राजा ने खुशी से सिर हिलाया और तीसरी बेटी की तरफ़ देखा। तीसरी चुप खड़ी थी। वह बोली, "मैं तुम्हें खाने में नमक जितना, प्यार करती

हूँ।" कहानी लंबी चलती है। पहले राजा को यह जवाब पसंद नहीं आता। पर कहानी के अंत में वह राजा खाने में तथा जीवन में नमक के महत्व को समझ जाता है। तब अपनी छोटी बेटी के प्यार की गहराई को समझता है।

तुम ध्यान से पढ़ो तो पाओगे कि यह कहानी न तो राजा की है, न उसकी पसंद की। यह कहानी न उसकी बेटियों के बारे में है, न उनके कहने के बारे में। यह नमक की कहानी है। महात्मा गांधी ने भी एक नमक की कहानी लिखी थी। वह

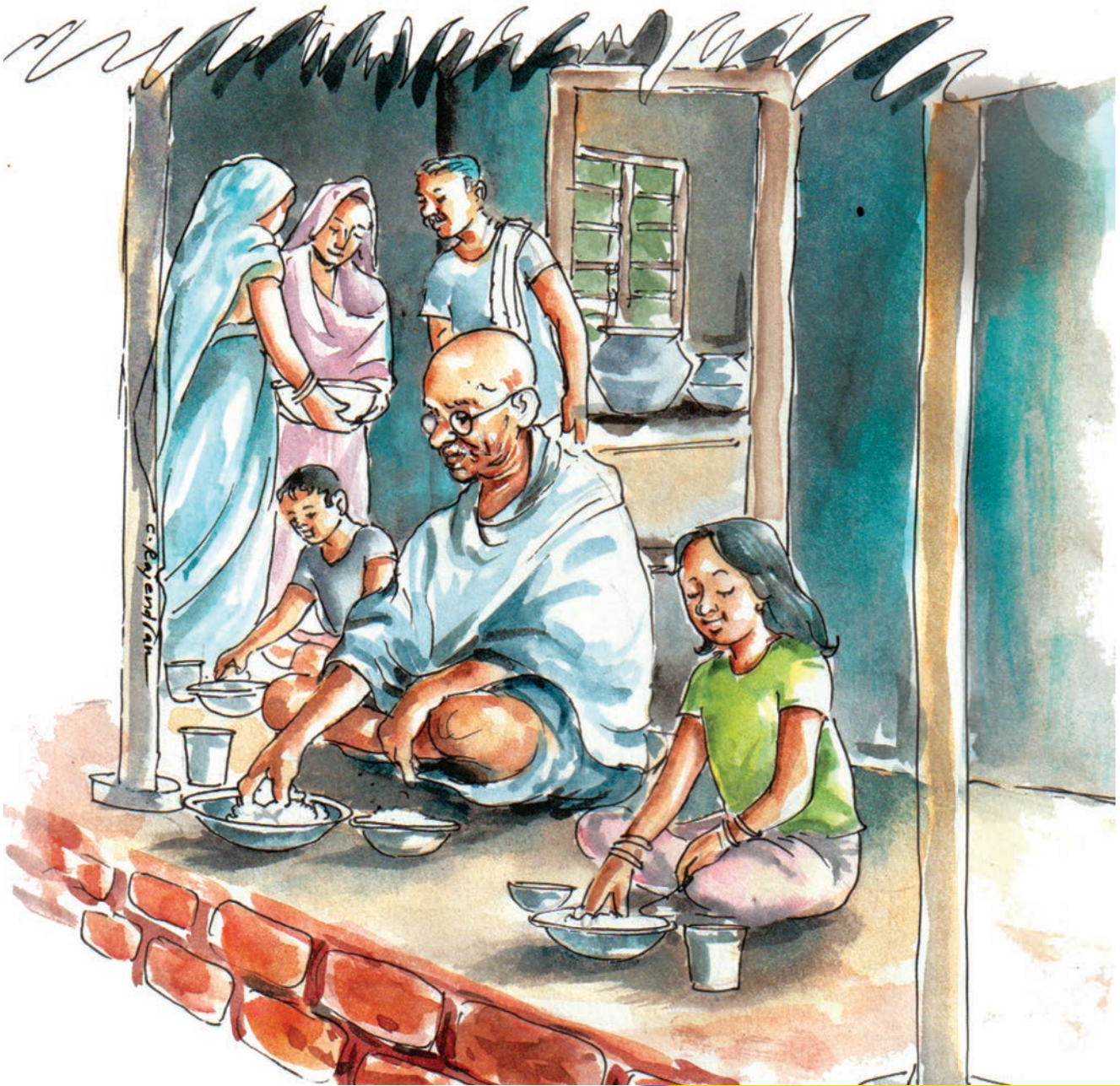

कहानी उन्होंने बोलकर नहीं लिखी– वह कहानी उन्होंने चलकर लिखी थी। वह कहानी उन्होंने सैकड़ों मील चलकर लिखी थी। वह उनके साथ चल रहे देश भर के लोगों ने लिखी थी। वे सब हमारे देश में अंग्रेज़ों द्वारा की जा रही अंधाधुंध लूट से चिंतित थे, जो हमारे देश को अंग्रेज़ों के चंगुल से छुड़ाना चाहते थे, जिन्होंने भारत देश को नई तरह से चलाने का सपना आँखों में लिया था।

उन दिनों अंग्रेज़ों ने भारत में नमक पर टैक्स लगा रखा था। इससे नमक बहुत महँगा हो गया था। अंग्रेज़ों ने भारत के लोगों को खुद नमक बनाने से रोक रखा था। अगर कोई अपने ही समुद्र के पानी से नमक बनाता, उसे सज़ा हो सकती थी।

अंग्रेज़ों ने भारत के लोगों को खुद नमक बनाने से रोक रखा था और नमक पर टैक्स लगा रखा था। –इसका कारण क्या होगा?

गांधीजी सालों पहले अपने कुछ साथियों के साथ अहमदाबाद से पैदल दांडी नाम के समुद्र किनारे के गाँव चल पड़े। वे वहाँ जाकर समुद्र के पानी से खुद नमक बनाकर अंग्रेज़ों का काला कानून तोड़ना चाहते थे। गांधीजी तीन हफ़्तों से भी अधिक पैदल चलते रहे। उनके साथ देश भर से लोग आ-आकर जुड़ते गए। इस तरह जब वे दांडी पहुँचे, उनके साथ हज़ारों लोग थे, जो समुद्र के पानी में घुले नमक को बाहर लाकर अंग्रेज़ों का कानून तोड़ना चाहते थे। इससे भारत पर अंग्रेजों की पकड़ ढीली पड़ती। रास्ते में कई गाँव पड़े। गांधीजी और उनके साथी जहाँ भी रुकते, गाँववाले उन्हें पूरे मन से खाना खिलाते। वे सभी लोग रात किसी गाँव में काटते और सुबह फिर चल पड़ते थे।

दांडी पहुँचते ही सभी को समुद्र का आसमान तक फैला विस्तार दिखा। लहरें दिखीं। लहरों में चमकता सूरज दिखा। किनारे के गड्ढों में नमक से गाढ़ा हुआ पानी और अपने आप बना नमक दिखा। उन सभी को गांधीजी ने यहाँ लाकर पूरे देश को अँग्रेज़ों से मुक्त होने का रास्ता दिखा दिया। हमारे दोस्त और कहानीकार अनंतमूर्ति कहते थे कि जब गांधीजी ने समुद्र किनारे हाथ में मुट्ठी भर नमक उठाया, उन्होंने देश के आज़ाद होने का रास्ता खोल दिया। 17 वर्ष बाद देश सचमुच उस रास्ते पर चलता हुआ आज़ाद हो गया।

इस कहानी में और भी कई भीतरी घुमाव हैं। तुम वह सब खुद खोजो। खुद यह खोजो कि हम किन-किन रास्तों से अँग्रेज़ों के चंगुल से छूटे थे।

17 वर्ष बाद देश सचमुच उस रास्ते पर चलता हुआ आज़ाद हो गया। इस रास्ते में हुई मुख्य घटनाएँ क्या-क्या हैं?

इन घटनाओं को क्रम से लिखें :

- वे सभी लोग रात किसी गाँव में काटते और सुबह फिर चल पड़ते।
- इस प्रकार गांधीजी ने पूरे देश को अंग्रेज़ों से मुक्त होने का रास्ता दिखा दिया।
- यात्रा के दौरान हज़ारों लोग जुड़ते गए।
- गांधीजी पैदल दांडी के समुद्र किनारे चल पड़े।
- रास्ते में कई गाँव पड़े।
- समुद्र के पानी से नमक बनाकर अंग्रेज़ों का कानून तोड़ा।

रपट लिखें :

गांधीजी अहमदाबाद से पैदल चलकर दांडी पहुँचे। खुद नमक बनाकर अंग्रेज़ों का कानून तोड़ा। इस घटना पर समाचार पत्र के लिए एक रपट तैयार करें।

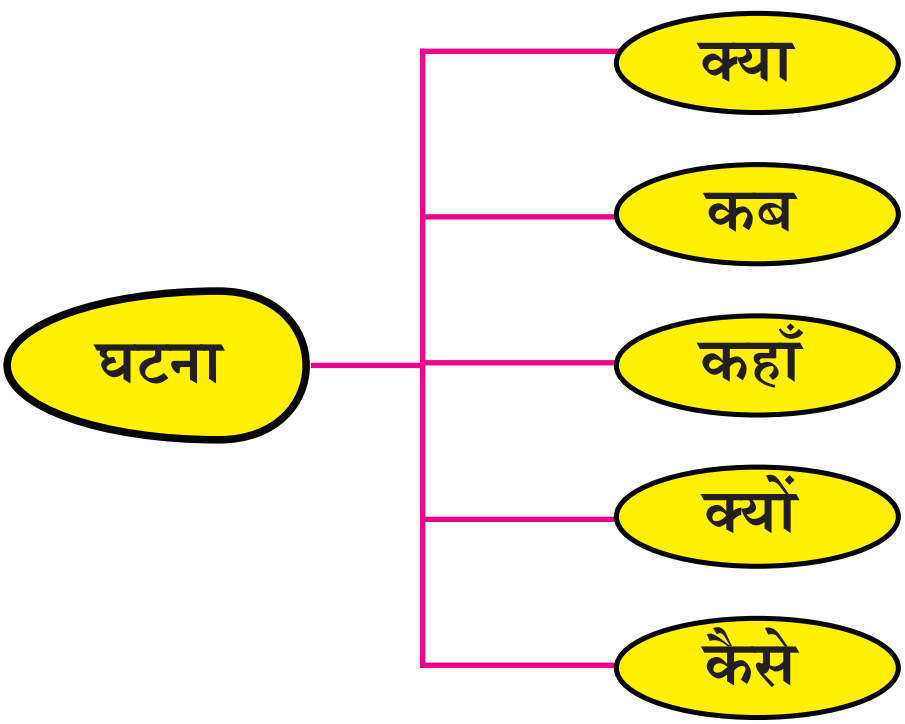

रपट के आधार पर सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाएँ :

रपट में...

- शीर्षक लिखा है। ☐
- स्थान लिखा है। ☐
- घटना का विवरण है। ☐
- वस्तुनिष्ठता है। ☐
- दृष्टिकोण है। ☐

प्रोफ़ाइल तैयार करें और प्रदर्शनी चलाएँ :

- 'स्वतंत्रता सेनानियों के परिश्रम की देन है आज़ादी।' स्वतंत्रता सेनानियों का प्रोफ़ाइल तैयार करें और एल्बम / डिजिटल एल्बम बनाएँ।
- स्वतंत्रता संग्राम से संबंधित जानकारियों को इकट्ठा करें और प्रदर्शनी चलाएँ।

उदयन वाजपेयी
जन्म: 4 जनवरी 1960

उदयन वाजपेयी का जन्म मध्यप्रदेश में हुआ। उन्होंने साहित्य की सभी विधाओं में अपनी लेखनी चलाई है। 'घुड़सवार', 'रेत किनारे का घर', 'पेड़ और परछाई' आदि उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं।

मदद लें...

नमक	-	ഉപ്പ്, salt, ಉಪ್ಪು, உப்பு
सितारा	-	नक्षत्र
आसमान	-	आकाश
जवाब	-	उत्तर
गहराई	-	ആഴം, depth. ಆಳ, ஆழம
सैकड़ों	-	നൂറുകണക്കിന്, hundreds of, ನೂರಾರು, நூற்றுக்கணக்கான
मील	-	മൈൽ, mile, ಮೈಲು, மைல
अंधाधुंध	-	अनियंत्रित
लूट	-	अपहरण, കൊള്ള, robbery, ದರೋಡೆ, கொள்ளை
चंगुल	-	पकड़, പിടുത്തം, clutches, ಹಿಡಿತ, பற்றிப்பிடித்தல்
चंगुल से छुड़ाना	-	പിടിയിൽനിന്ന് രക്ഷപ്പെടുത്തുക, to free from the clutches, ಹಿಡಿತದಿಂದ ಪಾರು ಮಾಡು, பிறரிடமிருந்து காப்பா ற்றுதல்
महँगा	-	വില കൂടിയ, costly, ಹೆಚ್ಚಿನ ಬೆಲೆಯ, விலை கூடிய
खुद	-	स्वयं
सज़ा	-	दंड
पैदल चलना	-	കാൽനടയായി പോകുക, to go on foot, ಕಾಲ್ನಡಿಗೆಯಲ್ಲಿಹೋಗುವುದು, நடந்துசெல்லுதல்
काला कानून	-	കരിനിയമം, black law, ಕರಾಳಕಾನೂನು, கருப்புச்சட்டம்
कानून तोड़ना	-	नियम का उल्लंघन करना
हफ़्ता	-	सप्ताह

हज़ारों	-	ആയിരക്കണക്കിന്, thousands of, ಸಾವಿರಾರು, ஆயிரக்கணக்கான
घुला	-	मिला हुआ, അലിഞ്ഞ, dissolved, ಕರಗಿದ, கரையச் செய்தல்
पकड़ ढीला पड़ना	-	പിടുത്തം ദുർബലമാകുക, to weaken the hold, ಹಿಡಿತ ದುರ್ಬಲ ವಾಗುವುದು, பிடியிலிருந்து தளர்த்தல்
खाना खिलाना	-	ഭക്ഷണം കഴിപ്പിക്കുക, to feed, ಆಹಾರ ತಿನ್ನಿಸುವುದು, உணவு ஊட்டுதல்
रुकना	-	തങ്ങുക, to hault, ನಿಂತು ಹೋಗು, நிற்பது
रात काटना	-	രാത്രി കഴിച്ചുകൂട്ടുക, spend the night, ರಾತ್ರಿ ಕಳೆಯುವುದು, இரவை சமாளித்தல்
लहरें	-	തിരമാലകൾ, waves, ಅಲೆಗಳು, கடல் அலை
गड्ढा	-	गर्त
गाढ़ा हुआ	-	घना हुआ, കടുപ്പമുള്ളതായ, concentrated, ಗಾಢವಾದ, செறிவான
मुक्त होना	-	स्वतंत्र होना
मुट्ठी भर	-	കൈനിറയെ, a handful, ಕೈತುಂಬ, கைநிறைய
आज़ाद हो गया	-	स्वतंत्र हो गया

कविता

यह धरती है उस किसान की

केदारनाथ अग्रवाल

यह धरती है उस किसान की
जो बैलों के कंधों पर
बरसात घाम में,
जुआ भाग्य का रख देता है,
खून चाटती हुई वायु में,
पैनी कुसी खेत के भीतर,
दूर कलेजे तक ले जाकर,
जोत डालता है मिट्टी को,
पांस डालकर,
और बीज फिर बो देता है
नए वर्ष में नई फ़सल के
ढेर अन्न का लग जाता है।
यह धरती है उस किसान की।
नहीं राव की, नहीं रंक की,
नहीं किसीकी, नहीं किसीकी
धरती है केवल किसान की।

'खून चाटती वायु' -से आपने क्या समझा?

ढेरों अन्न उपजाने के लिए किसान को किन-किनका सामना करना पड़ता है?

यह धरती है उस किसान की,
जो मिट्टी का पूर्ण पारखी,
जो मिट्टी के संग साथ ही
तपकर,
गलकर,
मरकर,
खपा रहा है जीवन अपना,
देख रहा है मिट्टी में सोने का सपना,
मिट्टी की महिमा गाता है,
मिट्टी के ही अंतस्तल में,
अपने तन की खाद मिलाकर,
मिट्टी को जीवित रखता है;
खुद जीता है।
यह धरती है उस किसान की।

किसान को 'मिट्टी का पूर्ण पारखी' क्यों कहा गया है?

'तन की खाद मिलाना' का मतलब क्या है?

खेती से संबंध रखनेवाले शब्द कविता से पहचानकर लिखें :

जैसे :-

- जुआ
- बीज
-
-
-

किसान अपनी ज़िंदगी कैसे व्यतीत करता है? कविता के आधार पर पूर्ति करें :

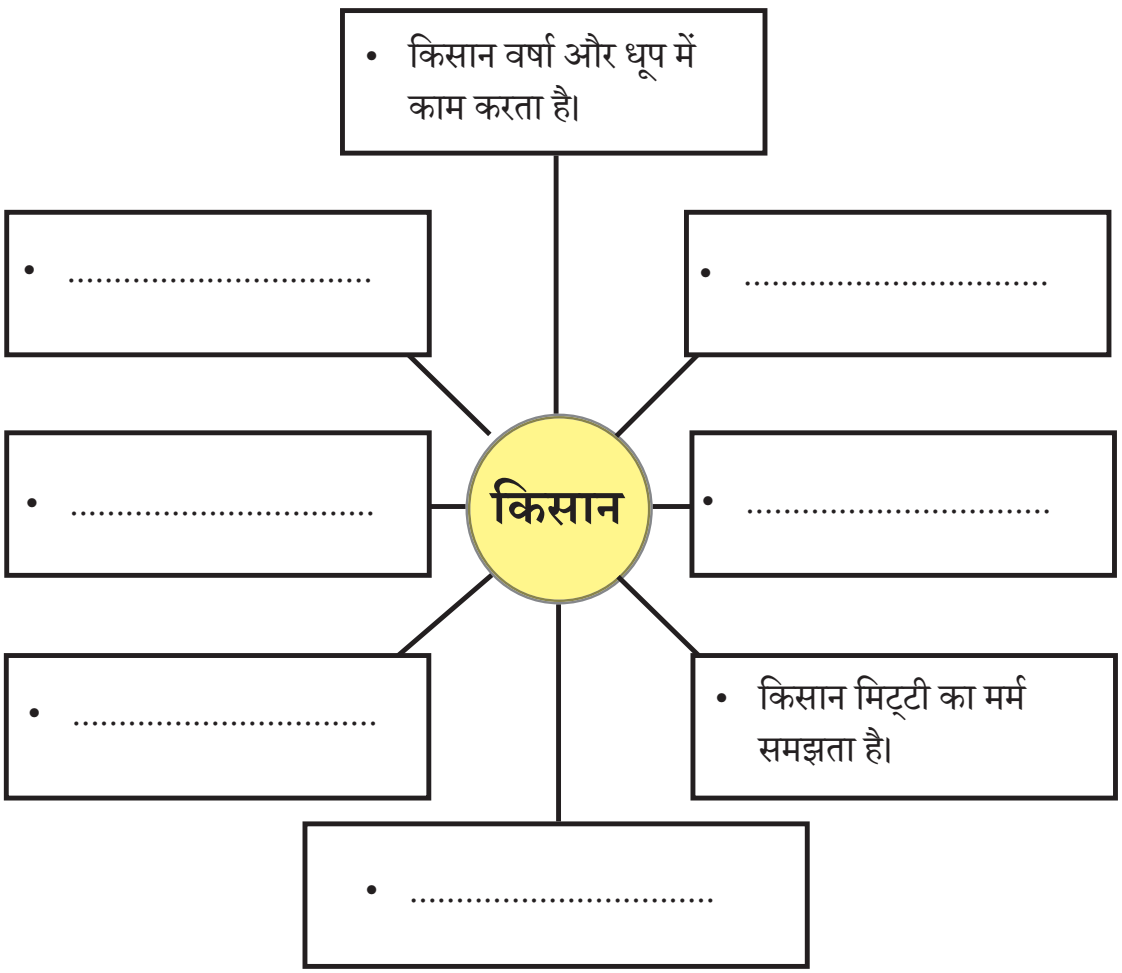

कविता से निम्नलिखित आशयवाली पंक्तियाँ चुनकर लिखें :

- किसान अपनी ज़िंदगी व्यतीत करके खेत में समृद्धि का स्वप्न देखता है।
- किसान कड़ी मेहनत से खेत को सदा उर्वर बनाता है और स्वयं जीवित रहता है।

पढ़ें, समझें और लिखें :

- इन प्रयोगों पर ध्यान दें :

• **जाकर**	• **बरसाकर**
• **गरजकर**	• **डूबकर**
• **तपकर**	• **मरकर**

- ऊपर दिए गए शब्दों से नए वाक्य बनाकर लिखें :

जैसे :- मैं मैदान में **जाकर** खेलता हूँ।

- .....
- .....
- .....
- .....
- .....

कविता की आस्वादन टिप्पणी लिखें :

टिप्पणी परखें और बॉक्स में 'हाँ' या 'नहीं' लिखें :

• कवि का परिचय है।	
• कविता का परिचय है।	
• कविता का आशय है।	
• कविता की विशेषताओं का उल्लेख है। (जैसे- तुकांत शब्द...)	
• अपना मत लिखा है।	

कृषक दिवस पर आपके विद्यालय में जत्था निकाला जा रहा है। प्लकार्ड के लिए संदेश वाक्य लिखें।

जैसे –

सफलता के लिए परिश्रम की आवश्यकता है। निम्नलिखित बिंदुओं पर चर्चा करें और लेख लिखें।

- जीवन में सफलता प्राप्त करना।
- हार-थकान का सामना करना।
- संघर्ष भरे जीवन में आगे बढ़ते जाना।
- परिश्रम का महत्व पहचानना।
- समाज और देश के विकास में परिश्रम का योगदान।

परखें...

- लेख के लिए उचित शीर्षक लिखा है। ☐
- संकेतों को विकसित किया है। ☐
- भूमिका और उपसंहार हैं। ☐
- आशय स्पष्ट है। ☐
- उचित भाषा का प्रयोग किया है। ☐

केदारनाथ अग्रवाल

जन्म : 01 अप्रैल 1911
मृत्यु : 22 जून 2000

केदारनाथ अग्रवाल का जन्म उत्तरप्रदेश में हुआ। उन्होंने जनसाधारण के जीवन की गहरी और व्यापक संवेदना को अपनी कविताओं में मुखरित किया। 'फूल नहीं रंग बोलते हैं', 'अपूर्वा', 'पहला पानी', 'मज़दूर का जन्म', 'बसंती हवा', 'आज नदी बिलकुल उदास थी' आदि उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं। वे सोवियतलैंड नेहरू पुरस्कार, साहित्य अकादमी पुरस्कार, मैथिलीशरण गुप्त पुरस्कार आदि से सम्मानित हैं।

मदद लें...

धरती - भूमि, ज़मीन

बैलों के कंधे - കാളകളുടെ കഴുത്തിന്റെ മുകൾ ഭാഗം, the upper part of the neck of bull, ಎತ್ತಿನ ಕುತ್ತಿಗೆಯ ಮೇಲಿನಭಾಗ, காளை களின்கழுத்தின் மேல் பகுதி

घाम - धूप

जुआ - നുകം, the yoke, ನೊಗ, நுகம்

खून चाटती हुई वायु में - रक्त को सुखाने वाली हवा में

पैनी - चुभनशील, മൂർച്ചയുള്ള, sharp, ಚೂಪಾದ, கூர்மையான

कुसी - കലപ്പയുടെ മൂർച്ചയുള്ള കൊഴു, sharp edge of the plough, ನೇಗಿಲಿನ ಚೂಪಾದ ಭಾಗ, கலப்பையின்கூர்மையான கொழு,

कलेजे तक - ആഴത്തിൽ, in depth, ಆಳದಲ್ಲಿ, ஆழத்தில்

जोत डालना - ഉഴുതുമറിക്കുക, to plough, ಉತ್ತು ಹದ ಮಾಡು, உழுதல்

पांस - खाद, വളം, manure, ಗೊಬ್ಬರ, உரம்

बीज बोना - വിത്ത് വിതയ്ക്കുക, sow the seed, ಬೀಜ ಬಿತ್ತುವುದು, விதை விதைத்தல்

अन्न का ढेर - ധാന്യക്കൂമ്പാരം, heap of grains, ಧಾನ್ಯದ ರಾಶಿ, தானியக்குவியல்

राव - राजा

रंक - गरीब

पारखी - परीक्षक

संग-साथ - ഒപ്പം, along with, ಒಂದಿಗೆ / ಒಟ್ಟಿಗೆ, உடன்

तपकर - जलकर

गलकर - ഉരുകിയിട്ട്, getting melt, ಕರಗುವುದು, உருக்கிய

जीवन खपाना - जीवन बिताना

सोने का सपना देखना - समृद्धि का सपना देखना

मिट्टी के अंतस्तल में - मिट्टी के भीतर

तन की खाद मिलाकर - कठिन शारीरिक परिश्रम कर

खुद - स्वयं

इकाई - 3

मुसकान

चित्र में क्या-क्या हैं ?

ST-251-3-HINDI-7-VOL-1

कहानी

बारिश के बाद

कनक शशि

बारिश के बाद सभी कुछ धुला-धुला, नया-नया सा लगने लगा था। झरे अमलतास के फूल गीली मिट्टी के कारण और अधिक पीले लग रहे थे। घास की नोकों पर ठहरी पानी की बूँदें कभी भी फिसलने को थीं। बारिश का अगला दौर शुरू होने से पहले चिड़ियों ने अपने ज़रूरी काम निपटाने की भागमभाग और चिल्ल-पों मचा रखी थी। हवा में अटकी पानी की

कुछ बूँदें गुठली के चेहरे से टकरा रही थीं। गुठली अपने दोस्त गुड्डू के साथ कुछ ज़रूरी काम में लगी थी।

यहाँ चिड़ियों का ज़रूरी काम क्या होगा?

वो दोनों एक बरसाती नाले में खड़े थे। पानी उनके घुटने छू रहा था। दोनों पत्ते की नाव तैराने की कोशिश कर रहे थे। नाव में कुछ सवारियाँ भी ज़बरदस्ती बैठाई गई थीं। एक चींटा, कोसम के पेड़ पर रहनेवाला एक लाल-काला कीड़ा और एक केंचुआ। तीन सवारियाँ बैठ चुकी थीं। तभी गुड्डू को एक छोटा मेंढ़क दिखा। उसने तय कर लिया कि इसे भी नाव पर चढ़ाना है। पर मेंढ़क को पकड़ना आसान नहीं था। गुड्डू बार-बार कोशिश करता । मेंढ़क बार-बार उछल जाता। गुड्डू को यूँ फुदकते देख गुठली हँसे जा रही थी। जैसे-तैसे मेंढ़क गुड्डू की हथेलियों में आ ही गया। गुड्डू ने गुठली से कहा, "देख, मैं जैसे ही इसे नाव में रखूँ, तू नाव छोड़ देना।" गुठली ने हँसते हुए हामी में सर हिलाया। गुड्डू ने गिना... "एक, दो, तीन..." और

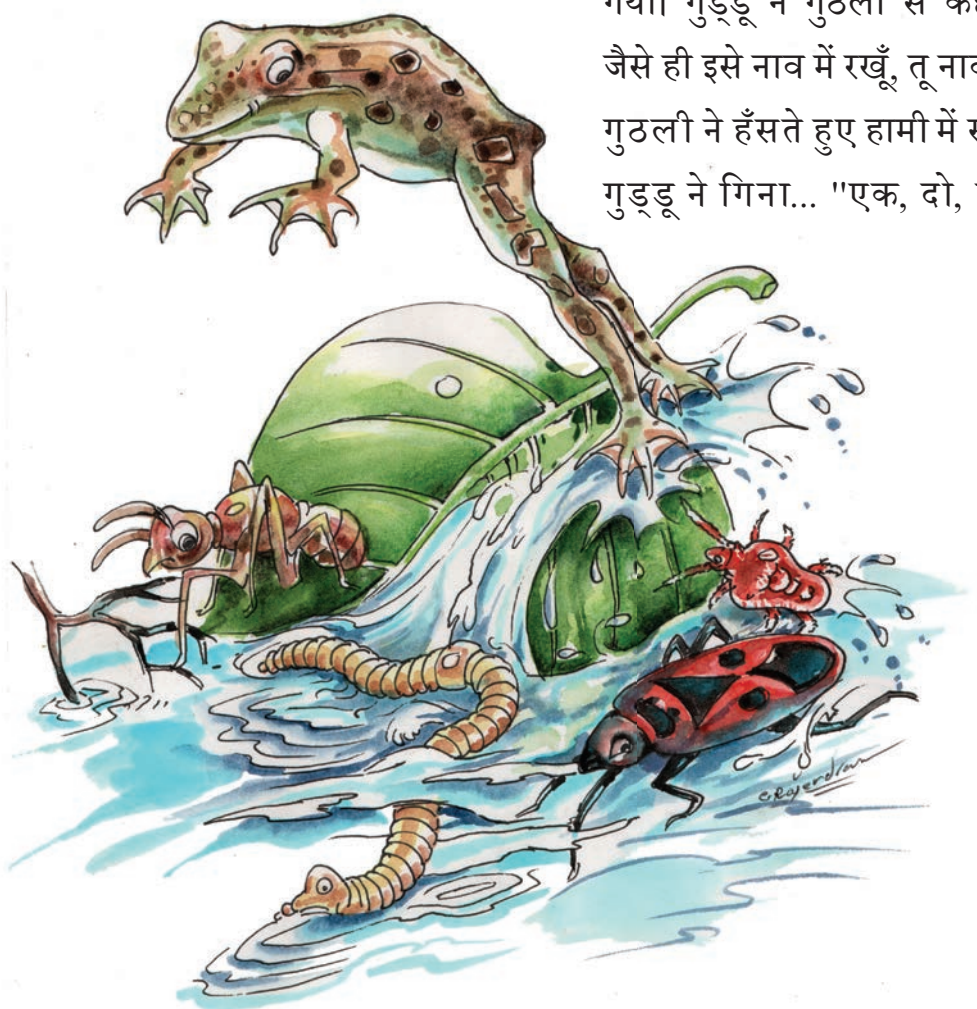

मेंढ़क को नाव में बिठा दिया। गुठली ने नाव छोड़ दी। नाव पानी के साथ तेज़ी-से बह रही थी। गुड्डू और गुठली दोनों बहुत खुश थे। पर थोड़ी दूर जाते ही एक सवार ने पानी में छलाँग लगा दी। उसकी छलाँग से नाव हिचकोले खाते-खाते पलट गई।

गुड्डू और गुठली साँस थामे अपनी नाव को देख रहे थे। पता नहीं सवारों का क्या होगा? तभी चींटा पानी में तैरकर एक टहनी की तरफ़ जाता दिखा। केंचुआ पानी के अंदर कहीं चला गया। बस कोसम के पेड़ के लाल-काले कीड़े का कोई पता नहीं था। गुड्डू और गुठली उलटी बहती नाव के पीछे भागे... और तभी नाव के नीचे से कीड़े का काला मुँह दिखाई दिया। गुठली ने आहिस्ते से उसे उठाया और कोसम के पेड़ की पत्तियों पर छोड़ दिया।

उलटी बहती नाव के पीछे भागते बच्चों का मनोभाव क्या होगा?

गुठली अभी कीड़े को जाते हुए देख ही रही थी कि गुड्डू ने आवाज़ दी, "देख गुठली, गोकुल गैया!" कितनी सुंदर, मखमली, लाल रंग की कीड़ी होती

है गोकुल गाय। बारिश के अलावा और किसी मौसम में दिखती ही नहीं है। गुठली और गुड्डू गोकुल गायों को एक माचिस की डिब्बी में इकट्ठा करके स्कूल में दोस्तों को दिखाते थे।

यह सब सोचते हुए गुठली झट-से भागी। गुड्डू चाँदनी तले खड़ा था। गुठली चाँदनी के तले जाकर गोकुल गाय को ढूँढ़ने लगी। तभी गुड्डू ने चाँदनी के पेड़ को ज़ोर से हिला दिया। पेड़ की पत्तियों और फूलों पर ठहरा हुआ सारा पानी गुठली के ऊपर गिर गया। वह तरबतर हो गई। गुड्डू भागता जा रहा था और हँसता जा रहा था। गुठली ज़ोर से चिल्लाकर उसका पीछा कर रही थी। इसी भागदौड़ में गुड्डू फिसला और जाकर कीचड़ में धम्म-से गिर गया। अब कीचड़ में सराबोर गुड्डू भी हँस रहा था और गुठली भी।

"कीचड़ में सराबोर गुड्डू भी हँस रहा था और गुठली भी।"- क्या ऐसा कोई मज़ेदार अनुभव आपके जीवन में हुआ है? बताएँ।

कहानी के आधार पर सही (✓) या गलत (✗) का निशान लगाएँ :

(क) बच्चे दोस्ती में मस्त रहते हैं। ☐

(ख) बच्चे बारिश में खेलते हैं। ☐

(ग) बच्चे कागज़ की नाव बनाते हैं। ☐

(घ) पत्ते की नाव पलट जाती है। ☐

(ङ) गोकुल गाय बरसाती मौसम में दिखती है। ☐

(च) कीचड़ में गिरने पर गुड्डू रोता है। ☐

पत्ते की नाव पलटने पर क्या हुआ? जोड़कर लिखें :

चींटा	पत्ते की नाव के नीचे दिखाई पड़ा।
लाल-काला कीड़ा	पानी में तैरकर टहनी पर आ गया।
गुड्डू और गुठली	पानी के अंदर चला गया।
केंचुआ	उल्टी बहती नाव के पीछे भागे।

बारिश के मौसम में गुड्डू और गुठली ने क्या-क्या किए? कहानी से चुनकर लिखें:

- .....
- .....
- .....

ये शब्द पढ़ें। कहानी से इनकी विशेषता बतानेवाले शब्द चुनकर लिखें :

• मिट्टी	• कीड़ा	• नाव
• नाले	• मेंढ़क	• मुँह

जैसे :-

मिट्टी - गीली मिट्टी

डायरी लिखें :

भागदौड़ में गुड्डू फिसला और जाकर कीचड़ में धम्म से गिर गया। घर आकर भी गुड्डू हँसता रहा। वह यादों में खो गया... गुड्डू की डायरी लिखें।

परखें :

डायरी में ...

- तारीख लिखी है। ☐
- मुख्य घटनाओं का उल्लेख किया है। ☐
- अपना विचार प्रकट किया है। ☐
- आत्मनिष्ठ शैली का प्रयोग हुआ है। ☐

कनक शशि

जन्म: 25 फ़रवरी 1980

कनक शशि का जन्म मध्यप्रदेश में हुआ। वे लेखन के अलावा डिज़ाइनिंग और चित्र बनाने का काम भी करती हैं। 'गुठली तो परी है','तीस की मुर्गी बीस में', 'गुठली तो पराई है' आदि उनकी रचनाएँ हैं।

मदद लें...

झरे - नीचे गिरे हुए

अमलतास - कर्णिकार, കണിക്കൊന്ന, cassia fistula, ಕಣಿಕೊನ್ನೆಕೊಂಡ್ರೆ ಮರಂ

गीली - നനഞ്ഞ, wet, ಒದ್ದೆ, நனைந்த

नोक - അഗ്രം, tip. ಅಗ್ರ, முனை

फिसलना - തെന്നുക , to slip ಜಾರುವುದು, சறுக்குதல்

निपटाना - पूरा करना

भागमभाग - भागने की हलचल, നെട്ടോട്ടം, ಗಡಿಬಿಡಿಯಲ್ಲಿ ಓಡು, விரைந்து ஓடுதல்

चिल्ल-पों - शोरगुल

अटकी - കുരുങ്ങിക്കിടക്കുന്ന, stuck, ಸಿಕ್ಕಿಹಾಕಿಕೊಂಡ, சிக்கிக்கிடக்கும்

चेहरा - മുഖം, face, ಮುಖ, முகம்

घुटना - കാൽമുട്ട്, knee, ಮೊಣಕಾಲು, மூட்டு

ज़बरदस्ती - बलपूर्वक

चींटा - ഉറുമ്പ്, ant, ಇರುವೆ, கட்டெறும்பு

कोसम का पेड़ - kosam tree, ಒಂದು ಜಾತಿ ಮರ, கோச மரம்

केंचुआ - മണ്ണിര, earthworm, ಎರೆಹುಳ, மண் புழு

उछलना - ऊपर की ओर छलाँग लगाना

फुदकना - ചാടിച്ചാടി നടക്കുക, to hop, ಜಿಗಿಯುತ್ತಾ ನಡೆಯು, குதித்துக் குதித்து நடத்தல்

हथेली - ഉള്ളംകൈ, palm, ಅಂಗೈ, உள்ளங்கை

हामी - स्वीकृति, സമ്മതം, consent, ಸಮ್ಮತಿ, அனுமதி

छलाँग लगाना - फुदकना, കുതിച്ചു ചാടുക, to take a leap, ಕುಪ್ಪಳಿಸಿ ಹಾರು, குதித்தல்

हिचकोला खाते-खाते - കുലുങ്ങി കുലുങ്ങി, being shaken, ಆಡಿಆಡಿ, குலுங்கிக்குலுங்கி

पलट गई - മറിഞ്ഞു, turned over, ಬುಡ ಮೇಲಾಗು கவிழ்தல்

साँस थामे - ശ്വാസമടക്കി, holding the breath, ಉಸಿರುಗಟ್ಟಿ, மூச்சுப்பிடித்து

टहनी - ശാഖ , branch, ರೆಂಬೆ, கிளை

उलटना - ऊपर का नीचे होना

आहिस्ता - धीरे

गोकुल गाय - चमकीला लाल रंग का कीड़ा

माचिस की डिब्बी - തീപ്പെട്ടി, matchbox, ಬೆಂಕಿಪೆಟ್ಟಿಗೆ, தீப்பெட்டிப் பெட்டி

इकट्ठा करके - एकत्रित करके

झट से - जल्दी से

चाँदनी का पेड़ - നന്ത്യാർവട്ടം, night jasmine, ನಂದಿಬಟ್ಟಲು, நந்தியார் வட்டம்

ज़ोर से हिला दिया - ശക്തിയായി കുലുക്കി, shaken Strongly, ಗಟ್ಟಿಯಾಗಿ ಕುಲುಕಿ, சக்தியுடன் குலுக்குதல்

तरबतर - भीगा हुआ, നനഞ്ഞുകുതിർന്ന, soaked, ಸಾಕಷ್ಟು ಒದ್ದೆಯಾ, நனைந்த

भागदौड़ - വെപ്രാളപ്പെട്ടുള്ള ഓട്ടം, running in a hurry burry, ಗಡಿಬಿಡಿಯಲ್ಲಿ ಓಡು, விரைவில் ஓடுதல்

कीचड़ - ചെളി, mud, ಕೆಸರು, சேறு

सराबोर - पूरा भीगा हुआ, നന്നായി നനഞ്ഞ, well soaked, ಚೆನ್ನಾಗಿ ಒದ್ದೆಯಾದ, நன்றாக நனைந்த

कविता

बया हमारी चिड़िया रानी

महादेवी वर्मा

बया हमारी चिड़िया रानी!
तिनके लाकर महल बनाती,
ऊँची डालों पर लटकाती,
खेतों से फिर दाना लाती
नदियों से भर लाती पानी।

'तिनके लाकर महल बनाती'-
'घोंसले को' महल क्यों कहा गया है?

तुझको दूर न जाने देंगे,
दानों से आँगन भर देंगे,
और हौज़ में भर देंगे हम
मीठा-मीठा ठंडा पानी।

फिर अंडे सेयेगी तू जब
निकलेंगे नन्हे बच्चे तब,
हम आकर बारी-बारी से
कर लेंगे उनकी निगरानी।

बया के बच्चों की निगरानी हम बारी-बारी से करेंगे। इसका तात्पर्य क्या है?

फिर जब उनके पर निकलेंगे
उड़ जाएँगे बया बनेंगे
हम तब तेरे पास रहेंगे,
तू रोना मत चिड़िया रानी
बया हमारी चिड़िया रानी!

'पर निकलेंगे / उड़ जाएँगे' -में किसकी सूचना है?

कविता से अपनी मनपसंद पंक्तियाँ चुनकर लिखें।

निम्नलिखित आशयवाली पंक्तियाँ चुनें ।

- चिड़िया दूर न जाए इसके लिए आँगन में दाना-पानी भर देंगे।
- बच्चे बया बनकर उड़ जाएँ तो हम मादा चिड़िया के पास रहेंगे।

समान अर्थवाले शब्द कविता से चुनें, तालिका भरें।

हर **पक्षी** का अपना रहन सहन है।	हर **चिड़िया** का अपना रहन सहन है।
जल जीवन का आधार है।	
पंख के बिना उड़ना असंभव है।	
पेड़ की सबसे ऊँची **टहनी** पतली है।	

ये संकेत पढ़ें और 'जीवों को जीने दो' विषय पर टिप्पणी लिखें :

- चारा तलाशने के लिए प्राणियों का अपना तौर-तरीका है।
- प्राणी अपने बच्चों की निगरानी खुद कर सकता है।
- पंख निकलने पर उड़ जाना चिड़ियों की सहज वृत्ति है।
- खतरे में मदद करें।
- सूखे में पानी दें।

यहाँ अंधा व्यक्ति सड़क पार करने की कोशिश कर रहा है। लिखें, चित्र में क्या-क्या हो रहे हैं :

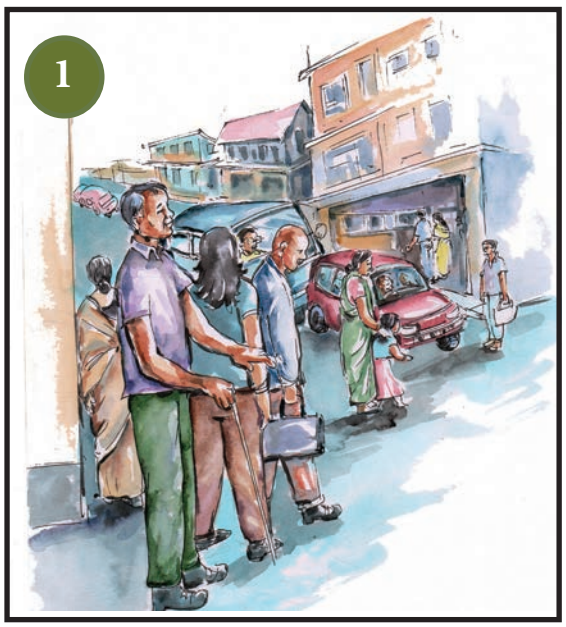

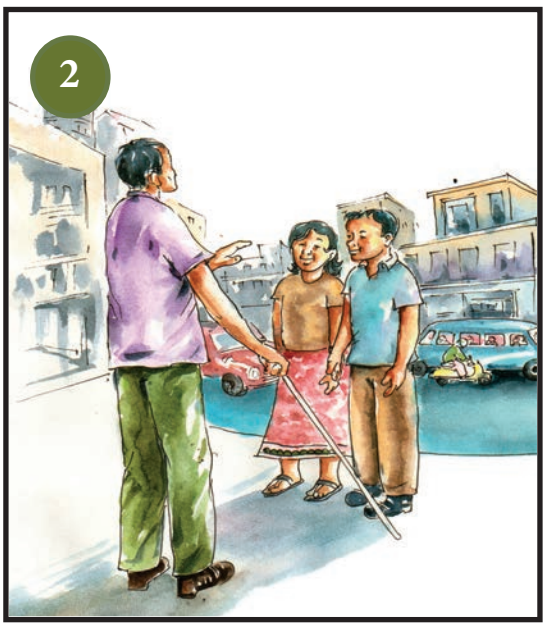

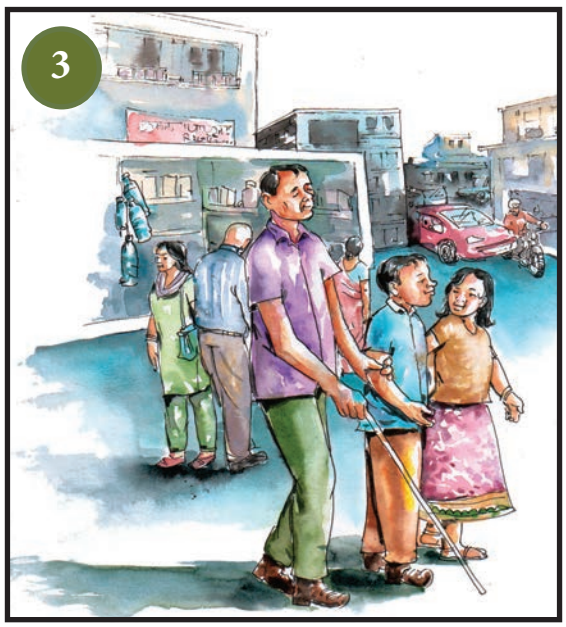

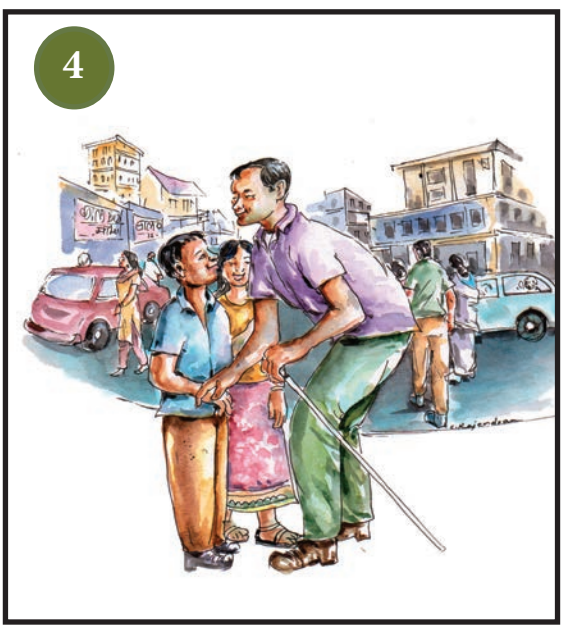

महादेवी वर्मा

जन्म:26 मार्च1907

मृत्यु:11 सितंबर 1987

महादेवी वर्मा आधुनिक युग की प्रसिद्ध कवयित्री हैं। उनका जन्म उत्तर प्रदेश में हुआ। 'यामा','शृंखला की कड़ियाँ', 'अतीत के चलचित्र' आदि उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं। 'पद्मविभूषण','पद्मभूषण' आदि से वे सम्मानित हैं। 'यामा' पर उन्हें ज्ञानपीठ पुरस्कार प्राप्त हुआ। 'आधुनिक मीरा' के नाम से वे मशहूर हैं।

मदद लें...

बया	-	गौरैया जैसी एक चिड़िया जो बड़े ही कलात्मक ढंग से अपना घोंसला बनाती है, தூக்கணாம் குருவி, weaver bird, ನೇಕಾರ ಹಕ್ಕಿ, தூக்க ணாம்கு ருவி
महल	-	കൊട്ടാരം, palace, ಅರಮನೆ, அரண்மனை
डाल	-	टहनी, ശാഖ, branch ಗೆಲ್ಲು, கிளை
लटकाना	-	തൂക്കുക , to hang, ತೂಗುಹಾಕು, தொங்க விடுதல்
दाना	-	अनाज
आँगन	-	മുറ്റം, courtyard, ಅಂಗಣ
हौज़	-	വലിയ പാത്രം, cistern, ಕುಂಡ வாய் வட்டமுள்ள பாத்திரம்
अंडा सेना	-	മുട്ട വിരിയിക്കുക, to hatch the egg, ಮೊಟ್ಟೆಗೆ ಕಾವು ಕುಳಿತುಕೊಳ್ಳುವುದು, குஞ்சு விரி யச்செய்தல்
नन्हा	-	ചെറിയ, tiny, ಸಣ್ಣ , சிறிய
निगरानी करना	-	देखभाल करना, संरक्षण करना
पर	-	पंख, ചിറകുകൾ, wings, ರೆಕ್ಕೆ, இறக்கை

इकाई - 4

मेल-जोल

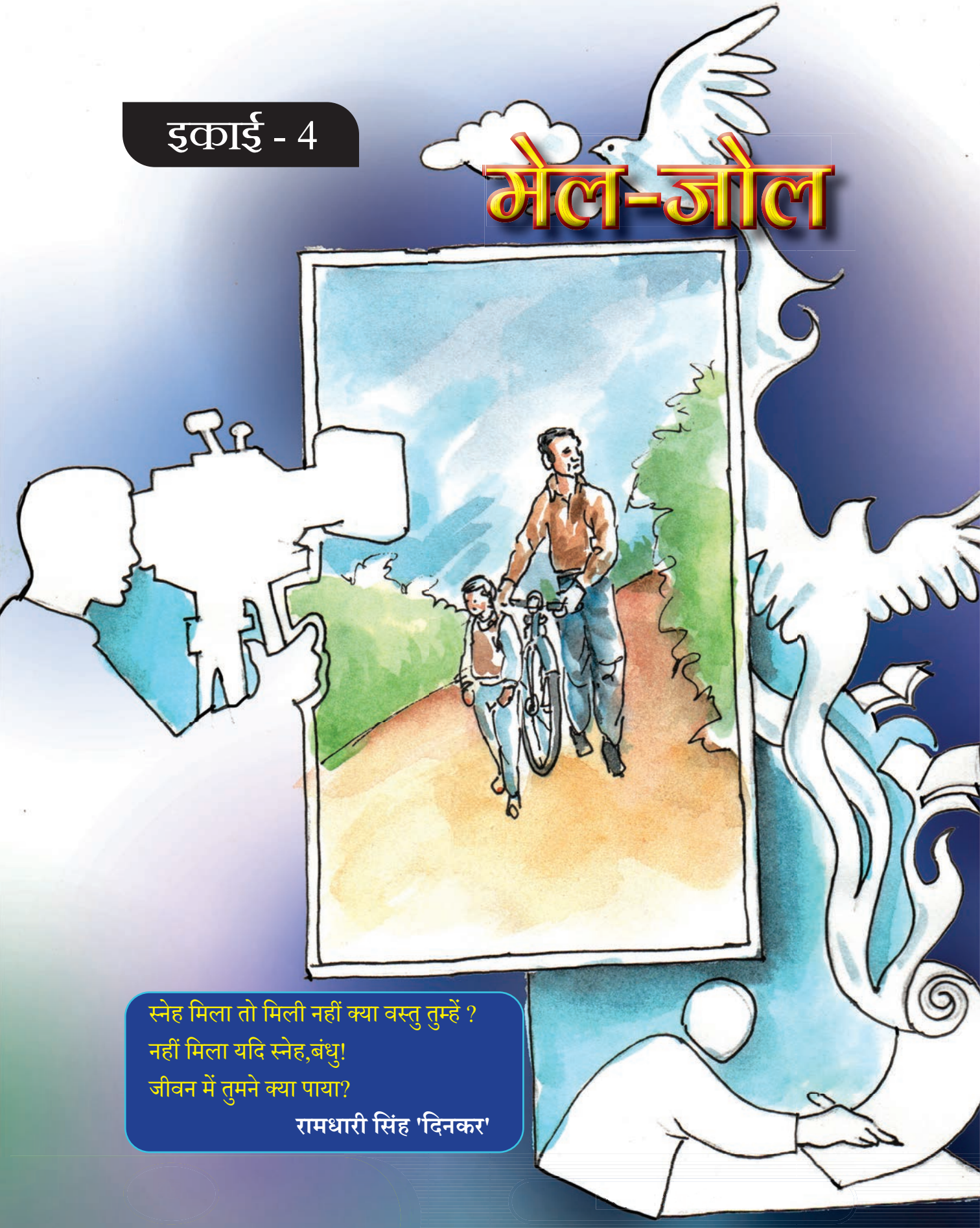

स्नेह मिला तो मिली नहीं क्या वस्तु तुम्हें ?
नहीं मिला यदि स्नेह,बंधु!
जीवन में तुमने क्या पाया?

रामधारी सिंह 'दिनकर'

एक
दो
तीन
चार
पाँच
छह
सात
आठ
नौ
दस
ग्यारह
बारह
तेरह
चौदह
पंद्रह
सोलह
सत्रह
अठारह
उन्नीस
बीस
इक्कीस
बाईस
तेईस
चौबीस
पच्चीस
छब्बीस
सत्ताईस
अट्ठाईस
उनतीस
तीस
इकतीस

मैं निम्मी हूँ।

10 अगस्त 2012 मेरा जन्मदिन है।

जनवरी
फ़रवरी
मार्च
अप्रैल
मई
जून
जुलाई
अगस्त
सितंबर
अक्तूबर
नवंबर
दिसंबर

20.....

लिखें, अपना नाम और जन्मदिन

मैं.....हूँ।

मेरा जन्म ..... को हुआ।

कहानी

तुम जियो हज़ारों साल साल के दिन हों पचास हज़ार

शिराज़ हुसैन

"मदर टेरेसा, अमीर खुसरो या गांधीजी... ये लोग आज ज़िंदा नहीं हैं। पर इन्हें सब आज भी याद रखते हैं।" क्यों?

निम्मी का कल बर्थडे था। आज सुबह से वो तोहफ़ों को खोल-खोलकर देखने में लगी है। विनोद अंकल का दिया बर्थडे कार्ड बहुत सुंदर था। उस पर एक कार्टून बना था और लिखा था,

तुम जियो हज़ारों साल,
साल के दिन हों पचास हज़ार...

"हैं... ये कैसी कविता हुई ?" वह कुछ उलझी-सुलझी सी नाना के पास दौड़ी। उन्हें कार्ड दिखाया और बोली, "नाना, पर पचास हज़ार तो बहुत ज़्यादा होता है ना? इतने साल कौन जीता है?" नाना ने कहा, "यह तो एक तरह की दुआ है। मतलब कुछ ऐसा काम कर जाओ कि दुनिया आपको हमेशा याद रखे।"
"मतलब ?" निम्मी ने ज़रा आगे आकर पूछा।
"मतलब... जैसे, मदर टेरेसा, अमीर खुसरो या गांधीजी ...
ये लोग आज ज़िंदा नहीं हैं, पर इन्हें सब आज भी याद रखते हैं।"

"ओह... समझी।
बढ़िया बात लिखी है।" निम्मी बोली।
"हाँ, सो तो है। यह कविता, बल्कि यह शेर मिर्जा ग़ालिब ने लिखा है।" नाना ने उसके हाथ से कार्ड लेते हुए कहा।
"अरे, नानू अब यह शेर बनानेवाले गालिब कहाँ से आ गए?" "गालिब नहीं ग़ालिब। ये उर्दू भाषा के शायर थे। शायर की कविता में कई सारी दो-दो लाइन्स होती हैं। ये दो लाइन्स ही शेर कहलाती हैं। जैसे,

तुम जियो हज़ारों साल,
साल के दिन हों पचास हज़ार... "

कहते हुए नाना उठ खड़े हुए। निम्मी ने एकदम उनका रास्ता रोका और बोली, "नाना कोई और शेर की बात बताओ न...
अच्छा गालिब की ही बात बता दो, मेरा मतलब ग़ालिब की।" "अरे, अब बाद में सुनाऊँगा। अभी मुझे ज़रा सब्जी लेने जाना है।"

'नाना कोई और शेर की बात बताओ न...' यहाँ निम्मी का कौन-सा मनोभाव प्रकट होता है?

कहानी के आधार पर तालिका में सही या गलत लिखें।

बर्थडे कार्ड बहुत सुंदर था।	
नाना ने निम्मी को डाँटा।	
बर्थडे कार्ड पर शेर लिखा था।	
निम्मी ने नाना को कार्ड दिखाया।	
विनोद अंकल ने निम्मी को खिलौने दिए।	
महात्माओं की याद हमेशा रखी जाती है।	

सही मिलान करके वाक्य बनाएँ।

- » मिर्ज़ा ग़ालिब
- » दुनिया हमें
- » शेर में
- » हज़ारों साल

कौन जीता है?
दो-दो लाइन्स होती हैं।
उर्दू के शायर थे।
हमेशा याद रखे।

बर्थडे कार्ड की विशेषताओं पर निम्मी और सहेली रीना के बीच बातें होती हैं। वह बातचीत तैयार करें।

बातचीत के आधार पर 'रोल प्ले' प्रस्तुत करें।

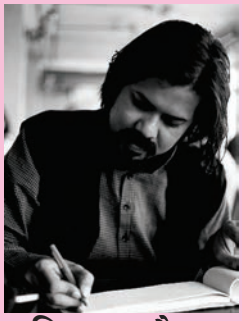

शिराज़ हुसैन

जन्म: 25 नवंबर 1985

शिराज़ हुसैन, एक बहुविषयक दृश्य कलाकार हैं। शिराज़ 'ख्वाब तन्हा कलेक्टिव' के संस्थापक कलाकार हैं। वे बाल पत्रिकाओं के लेखक और चित्रकार भी हैं। उन्होंने जामिया मिलिया विश्वविद्यालय के ललित कला विभाग में कई वर्षों तक व्यावहारिक कलाएँ सिखाई हैं। हाल ही में वे मिर्ज़ा ग़ालिब पर बच्चों के लिए किताब बनाने में लगे हैं।

मदर टेरेसा

जन्म : 26 अगस्त1910

मृत्यु : 5 सितंबर 1997

मदर टेरेसा मानव सेवा और जनकल्याण के लिए जानी-मानी हस्ती हैं, जिनका नाम लेते ही मन में माँ की भावनाएँ उमड़ने लगती हैं। वे मानवता की जीती-जागती मिसाल हैं। वे दीन-दुखियों की सेवा करती थीं। असहायों की सहायता करने हेतु मदर टेरेसा को 1979 का नोबेल शांति पुरस्कार दिया गया। दुनिया में ऐसे महान लोगों की ज़रूरत है जो मानवता की सेवा को सबसे बड़ा धर्म समझते हैं।

अमीर खुसरो

(1253-1325)

अमीर खुसरो का जन्म उत्तर एटा जिले के पटियाली नामक गाँव में हुआ था। वे अपने समय के प्रख्यात सूफ़ी संत निज़ामुद्दीन औलिया के शिष्य थे। अमीर खुसरो ने खड़ीबोली और फ़ारसी में कविता लिखी है। वे खड़ीबोली हिंदी में काव्य रचना करनेवाले प्रथम कवि माने जाते हैं। 'पहेलियाँ', 'मुकरियाँ', 'दो सखुने', 'खालिकबारी' आदि उनकी प्रसिद्ध रचनाएँ हैं। शायर के साथ-साथ वे एक मशहूर गायक भी थे।

मदद लें...

पचास हज़ार - അൻപതിനായിരം, fifty thousand, ಐವತ್ತು ಸಾವಿರ, ஐம்பதினாயிரம்

तोहफ़ा - उपहार

उलझी-सुलझी - दुविधाग्रस्त

नाना - അമ്മയുടെ അച്ഛൻ, maternal grand father, ತಾಯಿಯ ತಂದೆ (ಅಜ್ಜ),தாத்தா

दुआ - प्रार्थना

मतलब - അർഥം, meaning, ಅರ್ಥ, பொருள்

ज़रा - അൽപം, a little, ಸ್ವಲ್ಪ, சிறிதளவு

ज़िंदा नहीं - ജീവിച്ചിരിപ്പില്ല, not alive, ಜೀವಂತವಾಗಿಲ್ಲ, உயிருடன் இல்லை

बढ़िया - बहुत अच्छा, മുന്തിയ, the best, ಉತ್ತಮ, சிறந்த

शायर - കവി, poet, ಕವಿ, கவிஞன்

एकदम - പെട്ടെന്ന്, at once, ಫಕ್ಕನೆ, திடீரென

रास्ता - मार्ग / राह

सब्जी - പച്ചക്കറി, vegetable, ತರಕಾರಿ, காய்கறி

फ़िल्मी लेख

जन्नत के बच्चे

विवेक मेहता

बचपन में मेरा एक बहुत ही अच्छा दोस्त हुआ करता था, समीर नाम का। पता नहीं कहाँ है वो आजकल! पर हाल ही में जब मैंने एक फ़िल्म देखी तो उससे जुड़ी कुछ यादें मेरे ज़हन में ताज़ा हो गईं। उन यादों के बारे में बताने से पहले इस फ़िल्म के बारे में बताता हूँ।

इस फ़िल्म का नाम है 'चिल्ड्रन ऑफ़ हेवन' यानी- जन्नत के बच्चे। यह एक ईरानी फ़िल्म है। इस फ़िल्म के मुख्य किरदार हैं- अली और ज़ाहरा नाम के दो बच्चे।

फ़िल्म शुरू होती है बाज़ार के एक दृश्य से। यहाँ अली एक मोची की दुकान पर खड़ा अपनी बहन ज़ाहरा के पुराने जूते मरम्मत करवा रहा है। आगे होता यूँ है कि घर आते समय गलती से वे जूते अली से कहीं खो जाते हैं। वो परेशान होता है, बहुत ढूँढ़ता है, पर जूते नहीं मिलते। आखिरकार, वह बड़े ही बुझे मन से अपने घर पहुँचता है जहाँ ज़ाहरा उसका इंतज़ार कर रही है।

जूते गुम हो जाने की बात सुनकर वह उदास हो जाती है। पर यह सोचकर कि घर में तो नए जूतों के लिए पैसे तो हैं नहीं और जूते गुमने की बात जानकर अली को सज़ा मिल सकती है, वह अपने अम्मी-अब्बू को कुछ नहीं बताती।

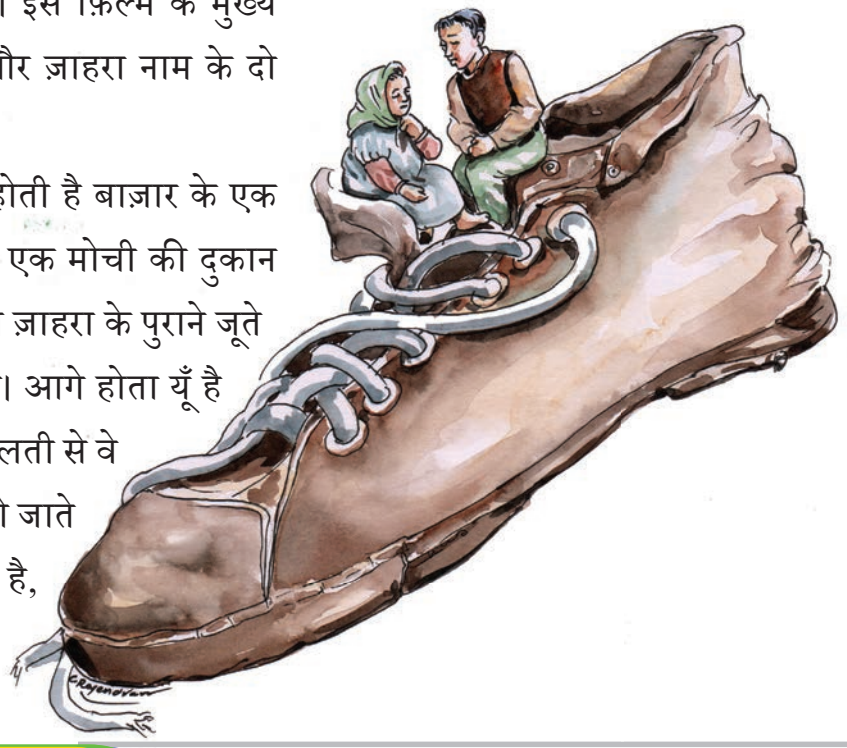

खैर, दोनों आपस में सलाह कर एक तरकीब निकालते हैं कि वे दोनों अली के जूतों को मिल-बाँटकर इस्तेमाल करेंगे। अली के जूते ज़ाहरा के लिए थोड़े बड़े तो हैं पर इससे क्या! तय होता है कि पहले ज़ाहरा सुबह के समय जूते पहनकर स्कूल जाएगी और फिर दोपहर के समय अली उन्हें पहनकर स्कूल जाएगा।

जूतों को मिल-बाँटकर इस्तेमाल करने की ज़रूरत क्यों पड़ी है?

लेकिन दोनों की बनाई यह तरकीब हर रोज़ ही उनके लिए एक नई परेशानी खड़ी कर देती है। अपने अम्मी-अब्बू और टीचरों से इस बात को छुपाने की जद्दोज़हद में अली और ज़ाहरा की यह कहानी कई सुंदर रास्तों से गुज़रती है।

अपनी बनाई तरकीब के कारण दोनों को कौन-कौन सी परेशानियाँ झेलनी पड़ी होंगी ?

फ़िल्म की कहानी सुनने में तो बड़ी साधारण लगती है, पर जिस असाधारण तरीके से इस कहानी को निर्देशक माजिद मजीदी ने परदे पर उतारा है, वो काबिले तारीफ़ है। वे एक जादूगर की तरह दर्शकों को फ़िल्म के जादू से बाँधकर रखते हैं और उनके साथ यह समझ बाँटते हैं कि ज़रूरी नहीं कि सब कुछ होने पर ही इनसान खुश हो। बल्कि एक छोटे-से, आम भाषा में गरीब कहे जाने वाले परिवार में भी रिश्ते सुंदर और गहरे हो सकते हैं। ये सुंदर इनसानी रिश्ते ही एक परिवार के सुखी और खुश होने का असली कारण है।

चलिए, फ़िल्म के बारे में तो मैंने अपनी बात रख ली, अब समीर से जुड़ी यादें भी तुमसे बाँट लूँ। यह बात है पहली या दूसरी कक्षा की। तब मैं और समीर एक ही स्कूल में पढ़ा करते थे। अकसर ऐसा होता था कि कक्षा में कभी किसीका पेन खराब हो जाता था तो कोई अपना पेन भूल आता था। मेरे साथ भी कभी-कभी ऐसा ही होता था। अब जब सामने खड़ी टीचर हाथ में डंडा लिए इमला लिखवाए तो किसी को भी डर लगेगा। पर मार खाने से बचने के लिए हम दोनों ने मिलकर एक तरकीब

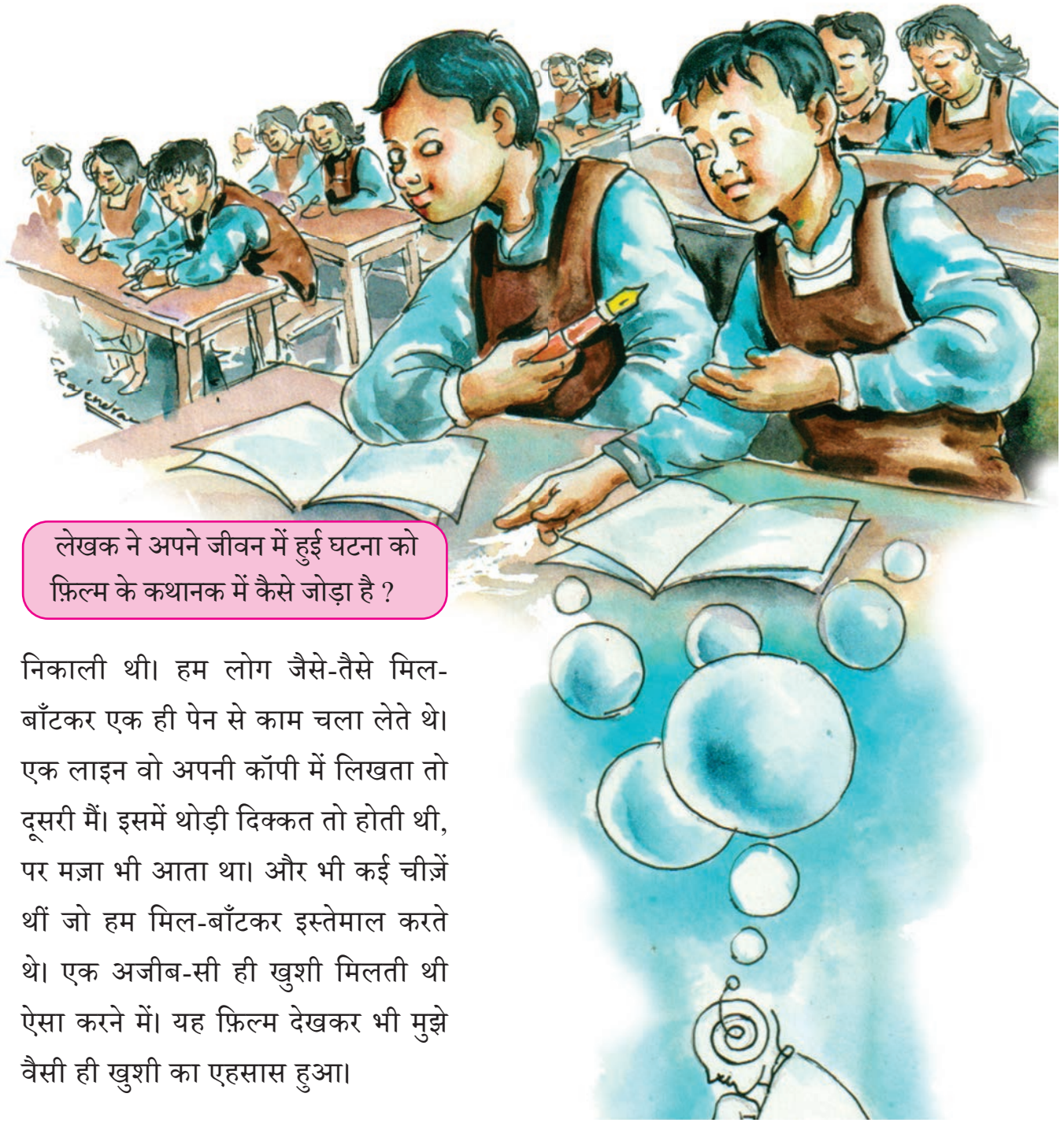

लेखक ने अपने जीवन में हुई घटना को फ़िल्म के कथानक में कैसे जोड़ा है ?

निकाली थी। हम लोग जैसे-तैसे मिल-बाँटकर एक ही पेन से काम चला लेते थे। एक लाइन वो अपनी कॉपी में लिखता तो दूसरी मैं। इसमें थोड़ी दिक्कत तो होती थी, पर मज़ा भी आता था। और भी कई चीज़ें थीं जो हम मिल-बाँटकर इस्तेमाल करते थे। एक अजीब-सी ही खुशी मिलती थी ऐसा करने में। यह फ़िल्म देखकर भी मुझे वैसी ही खुशी का एहसास हुआ।

फ़िल्म का शीर्षक 'जन्नत के बच्चे ' कहाँ तक सार्थक है ? अपनी ओर से और एक शीर्षक दें।

फ़िल्मी लेख में अली-ज़ाहरा और लेखक-समीर से संबंधित कई बातें हैं। सूचीबद्ध करें :

अली और ज़ाहरा	लेखक और समीर
• भाई-बहन हैं।	• दोस्त हैं।
• पुराने जूते की मरम्मत करवा रहे हैं।	• एक ही स्कूल में पढ़ा करते थे।
•	• .....
•	• .....
•	• .....

पाठ के आधार पर गोल दायरों की पूर्ति करें।

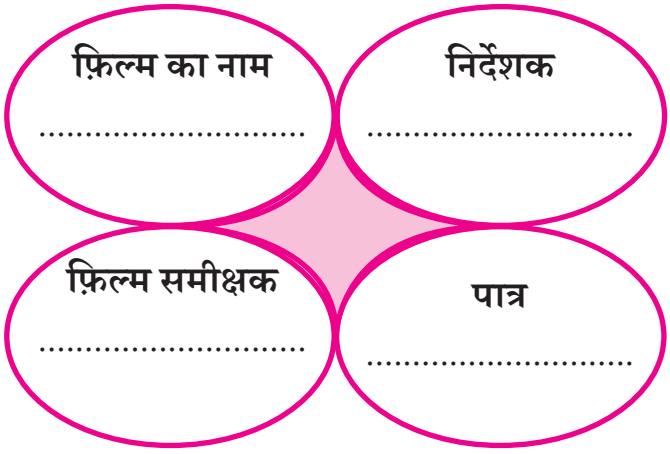

वाक्य पढ़ें, रेखांकित शब्दों पर ध्यान दें :

- अली परेशान होता है।
- ज़ाहरा उदास होती है।

पाठभाग से इस प्रकार के वाक्य चुनकर लिखें।

आपके स्कूल में हिंदी क्लब के नेतृत्व में 'जन्नत के बच्चे' नामक ईरानी फ़िल्म का प्रदर्शन होनेवाला है। इसकी सूचना देते हुए पोस्टर तैयार करें।

फ़िल्म प्रदर्शनी के लिए उद्घोषणा तैयार करें।

मेरी रचना में -

- उचित संबोधन है। ☐
- विषय की सूचना है। ☐
- संक्षिप्तता है। ☐

विवेक मेहता

जन्म: 07 अप्रैल 1981

विवेक मेहता का जन्म मध्यप्रदेश के एक छोटे से कस्बे, नौरोज़ाबाद में हुआ। स्कूली पढ़ाई खत्म करने के बाद भिलाई (छत्तीसगढ़) से मैकेनिकल इंजीनियरिंग और फिर आई आई टी कानपुर (उत्तर-प्रदेश) से स्नातकोत्तर व डॉक्टरेट की उपाधियाँ प्राप्त कीं। वे तेजपुर विश्वविद्यालय में प्राध्यापक हैं। 'चाय बागानों के आसपास की दुनिया', 'डोमखाना के बगल में', 'सपने में चाँद' आदि उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं।

मदद लें...

जन्नत - स्वर्ग

आजकल - ഈയിടെ, nowadays, ಇಂದಿನ ದಿನಗಳಲ್ಲಿ, இப்போதெல்லாம்

हाल ही में - अभी-अभी

ज़हन में - ഓർമ്മയിൽ, in memory of, ನೆನಪಿನಲ್ಲಿ, நினைவில்

किरदार - कथापात्र

मोची - जूते बनानेवाला, ചെരുപ്പുകുത്തി, cobbler, ಚಮ್ಮಾರ, காலணி, தைப்பவர்

मरम्मत करवाना - ठीक करवाना, കേടുപാടുതീർക്കുക, to repair, ದುರಸ್ತಿ ಮಾಡು, பழுதுபார்த்தல்

यूँ - इसप्रकार से

खो जाना - नष्ट होना

परेशान होना - विवश होना

आखिरकार - अंत में, അവസാനം, at last, ಕೊನೆಗೆ, இறுதியாக

बुझे मन से - दुखी मन से

इंतज़ार करना - प्रतीक्षा करना

गुम हो जाना - खो जाना

उदास हो जाना - दुखी हो जाना

गुमना - नष्ट हो जाना

सज़ा - दंड

खैर - ठीक

सलाह - उपदेश

तरकीब - उपाय

बाँटना - പങ്കിട്ടെടുക്കുക, to share, പാലുമാടു, பகிர்ந்து எடுத்தல்

परेशानी - विवशता

छुपाना - छिपाना

जद्दोज़हद - संघर्ष, conflict, ಕಠಿಣ ಪರಿಶ್ರಮ, கடினமுயற்சி

काबिले तारीफ़ - प्रशंसा के योग्य

गुज़रना - बीतना

निर्देशक - സംവിധായകൻ, director, ನಿರ್ದೇಶಕ, இயக்குனர்

पर्दे पर उतारना - സ്റ്റേജിൽ അവതരിപ്പിക്കുക, to stage, ವೇದಿಕೆಯಲ್ಲಿ ಮಂಡಿಸು, மேடையில் நிகழ்த்துதல்

जादूगर - जाद करनेवाला, മാന്ത്രികൻ, magician, ಮಾಂತ್ರಿಕ/ ಜಾದೂಗಾರ, கண் கட்டுவித்தைக்காரன்

जादू से बाँधना - आकर्षित करना

आम - साधारण

इनसानी रिश्ता - മാനുഷിക ബന്ധം, human relation, ಮಾನವ ಸಂಬಂಧ, மனித உறவு

असली - यथार्थ

खराब होना - उपयोगहीन होना

डंडा - छड़ी, വടി, stick ಬೆತ್ತ, வடி

इमला - श्रुतलेख

मार खाना - അടി കൊള്ളുക,beaten up, పెట్టు తిన్నువుదు, அடிவாங்குதல்

दिक्कत - कठिनाई

मज़ा - आनंद

मिल-बाँटना - आपस में देना

इस्तेमाल करना - उपयोग करना, ഉപയോഗിക്കുക,to use, ಉಪಯೋಗಿಸು, பயன்படுத்துதல்

अजीब - विचित्र

एहसास होना - अनुभव होना

इकाई - 5

नज़ारे

जीवन का वास्तविक सुख, दूसरों को सुख देने में है; उनका सुख छीनने में नहीं।

प्रेमचंद

डायरी

प्रेम के सिवा और कुछ नहीं

जसिंता केरकेट्टा

राँची, झारखंड

27 जून 2022
सोमवार

'रिम्स' झारखंड का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल है। इस अस्पताल में एक रिपोर्ट लेने मैं कतार में खड़ी थी। मेरे आगे एक व्यक्ति खड़ा था। उसे भी कोई रिपोर्ट लेनी थी। पैसे जमा करते वक्त उसके पास बीस रुपए कम पड़ रहे थे। वह परेशान इधर-उधर ताक रहा था। बार-बार जेब में हाथ डालता था। पीछेवाले लोग 'जल्दी करो... जल्दी करो...' चिल्ला रहे थे। वह इधर-उधर फोन लगाने लगा। "बीस रुपया नहीं मिल रहा। लाइन में खड़ा हूँ। लेकर जल्दी आइए।" वो किसीसे फोन पर कह रहा था। तभी मैंने बीस रुपए निकालकर उसकी ओर बढ़ा दिए। उसने राहत की साँस ली। मैंने देखा, आदमी छोटी-सी मदद के लिए आसपास खड़े इनसानों की तरफ़ नहीं देख सकता। असहाय महसूस करता है।

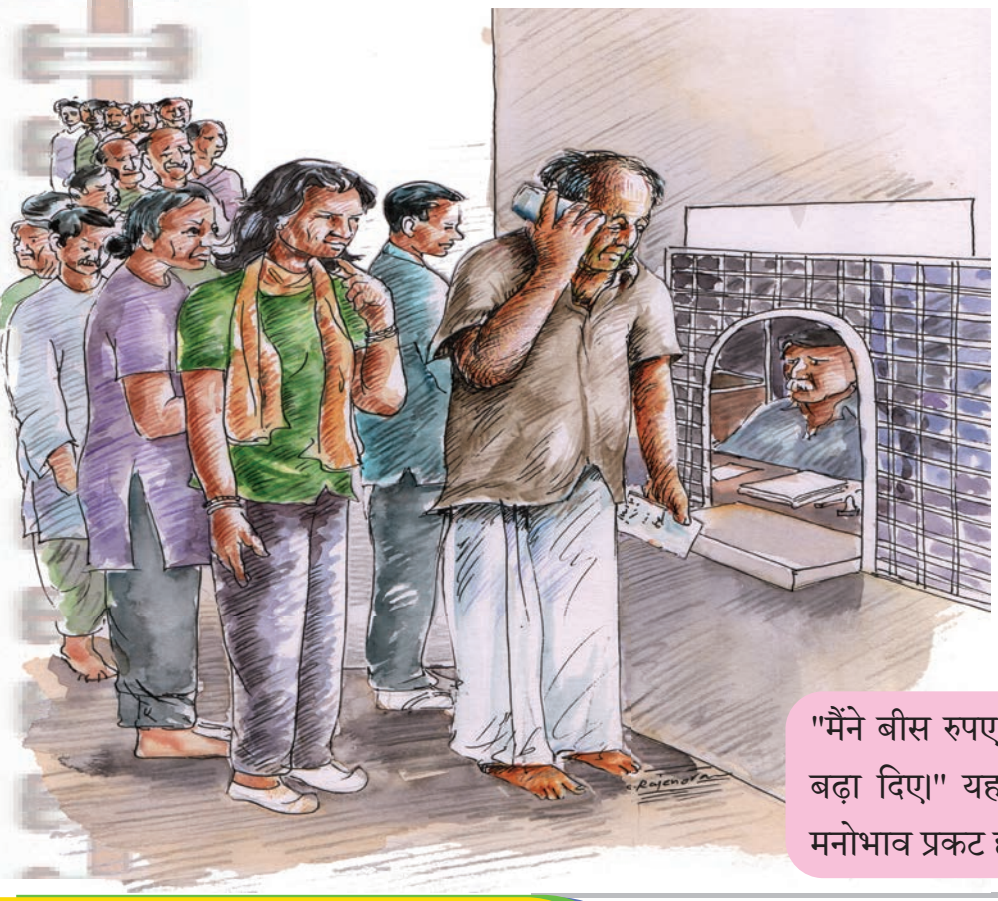

"मैंने बीस रुपए निकालकर उसकी ओर बढ़ा दिए।" यहाँ लेखिका का कौन-सा मनोभाव प्रकट होता है?

काम पूरा होने पर वह कतार से अलग हो गया और बीस रुपए के लिए फोन पर किसी को बुलाता रहा। मैं रिपोर्ट लेकर जाने लगी तो वह पास आया।

"ज़रा रुकिए! धन्यवाद। आपके बीस रुपए" पैसे लौटाते हुए उसने कहा।

"अरे! वापस करना ज़रूरी नहीं है। बीस ही तो रुपए हैं।" –मैंने कहा। "नहीं, वह बीस ही रुपए नहीं थे" –कहकर वह चला गया।

"नहीं, वह बीस ही रुपए नहीं थे।" - इससे आपने क्या समझा?

दूसरे दिन बहुत सुबह फिर कोई रिपोर्ट लेने दूसरी तरफ़ मेरी छोटी बहन को जाना पड़ा। मेरी बहन ने नन्ही बच्ची को गोद में ले रखा था। रिपोर्ट लेने के बाद उसे फोटोकॉपी करवानी थी। वह पैसे ढूँढ़ने लगी। जेब में पैसे नहीं थे। ऊपर अस्पताल के चौथे तल्ले में ही छूट गए थे। उसने दुकानदार से कहा कि वह कुछ देर में पैसे लाकर दे देगी। उसे फोटोकॉपी चाहिए। ज़रूरी है। पर दुकानदार आनाकानी करता दिखा। तभी पास खड़े एक लड़के ने उसकी फोटोकॉपी के भी पैसे जमाकर दिए। बहन उसे पलटकर कुछ कहती, लेकिन वह भीड़ में गायब हो चुका था।

मैं शाम अस्पताल के बाहर चाय पीने निकली। आँखें दुख रही थीं। चायवाले को कहा, "छोटे कप में चाय दीजिएगा।"

उसने बड़े कप में चाय दे दी।

"भैया, छोटा कप।" फिर से मैंने कहा।

"पीजिए न आप।" कहकर वह किसीसे बात करने में व्यस्त हो गया। मैंने चाय पी ली। फिर वह मेरी तरफ़ पलटकर बोला,

"कोई अस्पताल में एडमिट है क्या?"

मैंने सोचा कि मेरे पीछे कोई होगा। शायद उसीसे पूछ रहा हो। उसने फिर कहा, "आपसे पूछ रहा हूँ। मैं आपको

हमेशा पढ़ता हूँ। बहुत अच्छा लगता है।" मैंने उसे शुक्रिया कहा। फिर चाय के पैसे देने लगी। वह हाथ बाँधकर उसी तरह खड़ा रहा। बहुत ज़िद करने के बाद भी उसके बँधे हाथ खुले नहीं। मैंने चाय के लिए उसे शुक्रिया कहा और अस्पताल के भीतर चली गई। देखा, अस्पताल के भीतर और बाहर अपनी-अपनी अलग दुनिया है।

"अस्पताल के भीतर और बाहर अपनी-अपनी अलग दुनिया है।" -ऐसा क्यों कहा गया है?

अभाव, बीमारी, गरीबी, दुख के बीच भी साधारण लोगों ने अपने जीवन में थोड़ा-थोड़ा प्रेम, थोड़ी-थोड़ी आत्मीयता और मनुष्यता बचाकर रखी है। उन्हें देखते हुए सोचती हूँ कि धरती में प्रेम सबसे ताकतवर मूल्य है। यही इंसान के भीतर समर्पण ला सकता है। और यही अतिरिक्त पाने के लालच, उसके लिए एक-दूसरे पर हमले, एक-दूसरे पर अविश्वास और हिंसा सबको खत्म कर सकता है। इस धरती को प्रेम के सिवा और कुछ नहीं बचा सकता।

'इस धरती को प्रेम के सिवा और कुछ नहीं बचा सकता' -इसपर अपना मत प्रकट करें।

सही मिलान करें :

कतार में खड़े व्यक्ति को	बहन के पास नहीं था।
फोटोकॉपी लेने का पैसा	बीस रुपए चाहिए थे।
चाय के दुकानवाले ने	दुनिया अलग थी।
अस्पताल के भीतर और बाहर की	मुझसे पैसा न माँगा था।

डायरी के आधार पर पूर्ति करें और वाक्य लिखें :

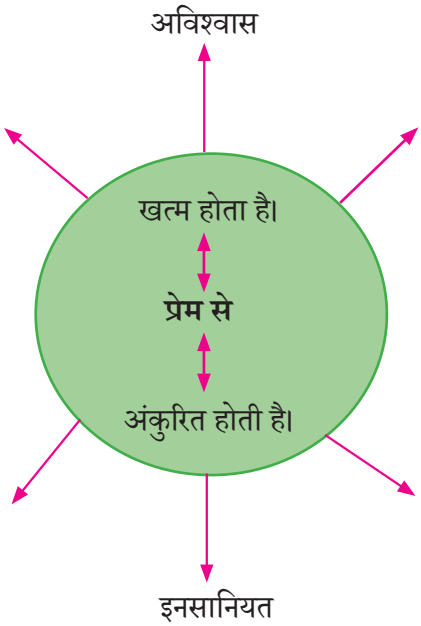

जैसे :- प्रेम से इनसानियत अंकुरित होती है।

प्रेम से अविश्वास खत्म होता है।

.....

.....

.....

डायरी में इनसानियत का प्रभाव स्पष्ट करनेवाले प्रसंग कौन-कौन से हैं? ढूँढ़कर लिखें।

''हमें दूसरों से स्नेहिल व्यवहार करना है।'' -इस विषय पर एक लघु-लेख लिखें।

इन वाक्यों पर ध्यान दें। चर्चा करें और रेखांकित शब्द की विशेषता पहचानें

- आदमी फोन लगाने **लगा।**
- बहन रिपोर्ट लेकर जाने **लगी।**
- लोग चिल्लाने **लगे।**
- लड़कियाँ खेलने **लगीं**

जसिंता केरकेट्टा

जन्म: 03 अगस्त 1983

जसिंता केरकेट्टा का जन्म झारखंड में हुआ। वे लेखक एवं पत्रकार हैं। 'अंगोर', 'ईश्वर और बाज़ार', 'जसिंता की डायरी', 'जड़ों की ज़मीन' आदि उनकी प्रमुख रचनाएँ हैं। वे प्रेरणा सम्मान, रविशंकर उपाध्याय युवा कवि सम्मान, अपराजिता सम्मान आदि से पुरस्कृत हैं।

मदद लें...

के सिवा	-	के अलावा
कतार में	-	पंक्ति में
परेशान	-	व्याकुल
इधर-उधर	-	यहाँ-वहाँ
ताक रहा था	-	देख रहा था
जेब	-	पॉकिट, pocket ಕಿಸೆ ,சட்டைப்பை
जल्दी करो	-	വേഗമാകട്ടെ, do it quickly, ಬೇಗನೆ ಮಾಡಿ, வேகமாகச் செய்
चिल्लाना	-	ബഹളംവയ്ക്കുക, to shout, ಬೊಬ್ಬೆ ಹಾಕುವುದು, சத்தம்போடுதல்
राहत की साँस लेना	-	आश्वस्त होना
मदद	-	सहायता
गोद में ले रखा	-	गोद में बिठाया
चौथा तल्ला	-	നാലാമത്തെ നില, fourth floor, ನಾಲ್ಕನೇ ಮಹಡಿ, நான்காவது மாடி
आनाकानी करना	-	अनसुना करना, കേട്ടില്ല എന്ന് ഭാവിക്കുക, pretend not to hear, ಕೇಳಲಿಲ್ಲ ಎಂದುನಟಿಸುವುದು, கேட்காதது போல் இருத்தல்
पलटना	-	मुड़ना, തിരിയുക, to turn, ತಿರುಗು, திரும்புதல்
गायब होना	-	अप्रत्यक्ष होना
व्यस्त हो गया	-	लीन हो गया, മുഴുകി, got engaged, ತಲ್ಲೀನವಾಗು, முழுகுதல்
शुक्रिया	-	धन्यवाद
ज़िद करना	-	हठ करना
अभाव	-	ഇല്ലായ്മ, scarcity, ಅಭಾವ, இல்லாமை
ताकतवर	-	शक्तिशाली, കരുത്തുറ്റ, powerful, ಬಲಿಷ್ಠ, சக்திவாய்ந்த
अतिरिक्त	-	और अधिक
लालच	-	അത്യാഗ്രഹം, greed, ಅತ್ಯಾಶೆ, பேராசை
हमला	-	आक्रमण
खत्म करना	-	समाप्त करना

घटना वर्णन

हाथियों की रहगुज़र

यादवेंद्र

केरल और तमिलनाडु की सीमा पर बसे जंगल की बात है। एक हथिनी अपने दो बच्चों के साथ सड़क पार कर रही थी। साइकिल से शहर जा रहे एक युवक ने इसका वीडियो बना लिया। कुछ महीनों पहले यह वीडियो खूब फैला। ऐसा नहीं है कि हाथी और उसके बच्चों ने पहली बार कोई सड़क पार की हो। यहाँ खास था एक बच्चे का बहुत छोटा होना। सड़क और जंगल के बीच डिवाइडर बना था। छोटे की ऊँचाई डिवाइडर जितनी ही थी।

हथिनी और उसका बड़ा बच्चा आसानी से डिवाइडर पार कर गए। पर छोटा इधर ही रह गया। माँ को अन्देशा था। इसलिए वो जंगल में न जाकर सड़क की तरफ़ मुँह करके उसे देखने लगी। बच्चे से डिवाइडर पार नहीं हो रहा है। वह लौटी और

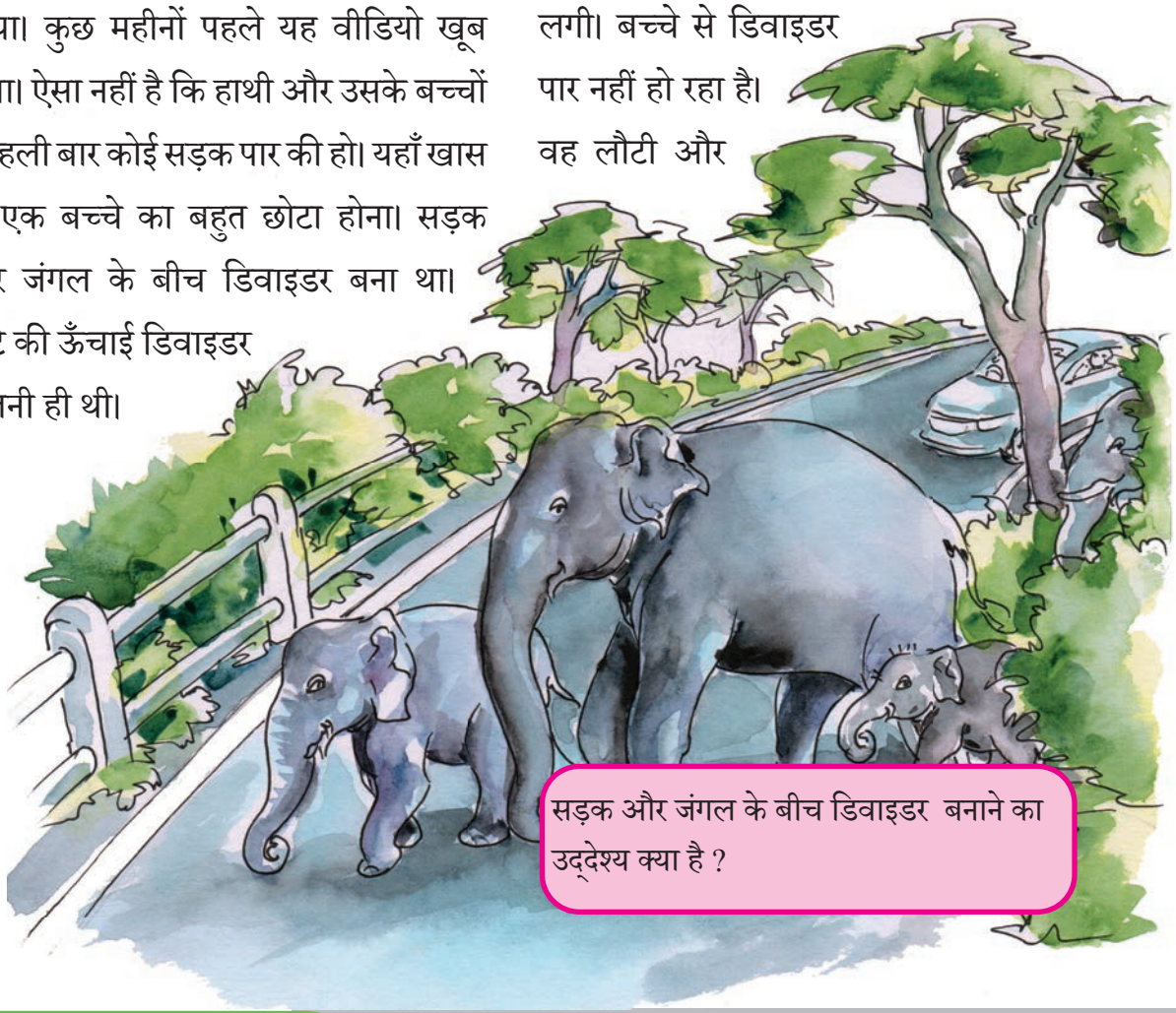

सड़क और जंगल के बीच डिवाइडर बनाने का उद्देश्य क्या है ?

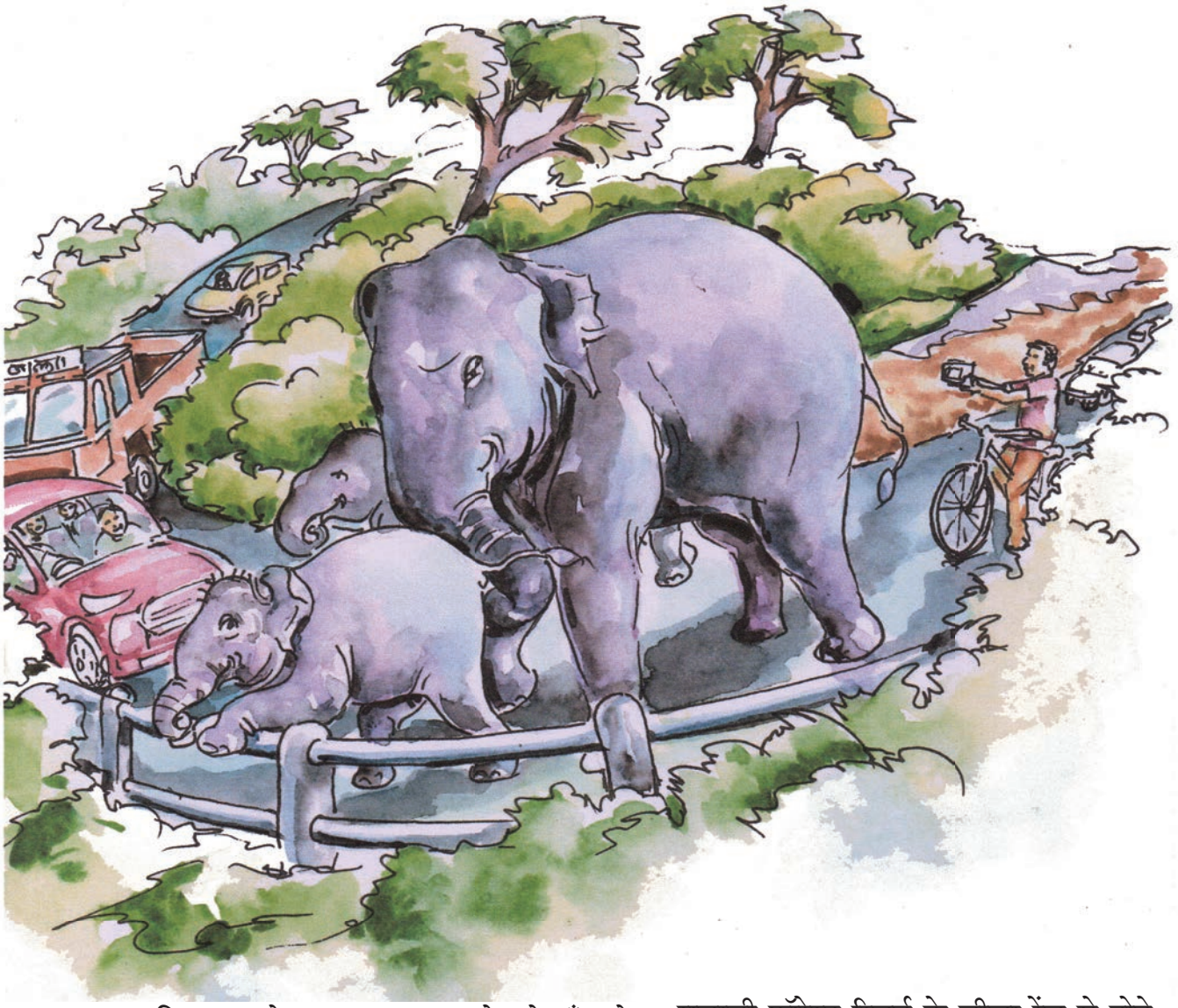

डिवाइडर के पास जाकर बच्चे को सूँड़ से सहारा दिया। बच्चे को पीछे से धकेलते हुए दीवार पर चढ़ाया। तब जाकर वह डिवाइडर पार कर सका। फिर वे तीनों जंगल में चले गए।

इस काम में पन्द्रह-बीस मिनट लगे। तब तक सड़क के दोनों ओर गाड़ियाँ रोके लोग खड़े रहे। इस प्रेम भरी कोशिश को धीरज के साथ निहारते रहे।

हाथियों से जुड़ी एक और घटना याद आ रही है। कोई दस साल पहले हम राजाजी फॉरेस्ट रिज़र्व के चीला रेंज से होते हुए ऋषिकेश से हरिद्वार की तरफ़ लौट रहे थे। शाम का समय था। एक जगह पतली-सी पहाड़ी नदी सड़क को पार करती थी। वहाँ नदी की दोनों तरफ़ लिखा हुआ है, "यह हाथियों के सड़क पार करने की जगह है। यदि आपको हाथी दिखाई दें तो रुक जाएँ। हाथियों को सड़क पार करने दें।" मुझे यह लिखा देखना हमेशा रोमांचित करता था। लेकिन अब तक हाथियों को वहाँ से गुज़रते नहीं देखा था।

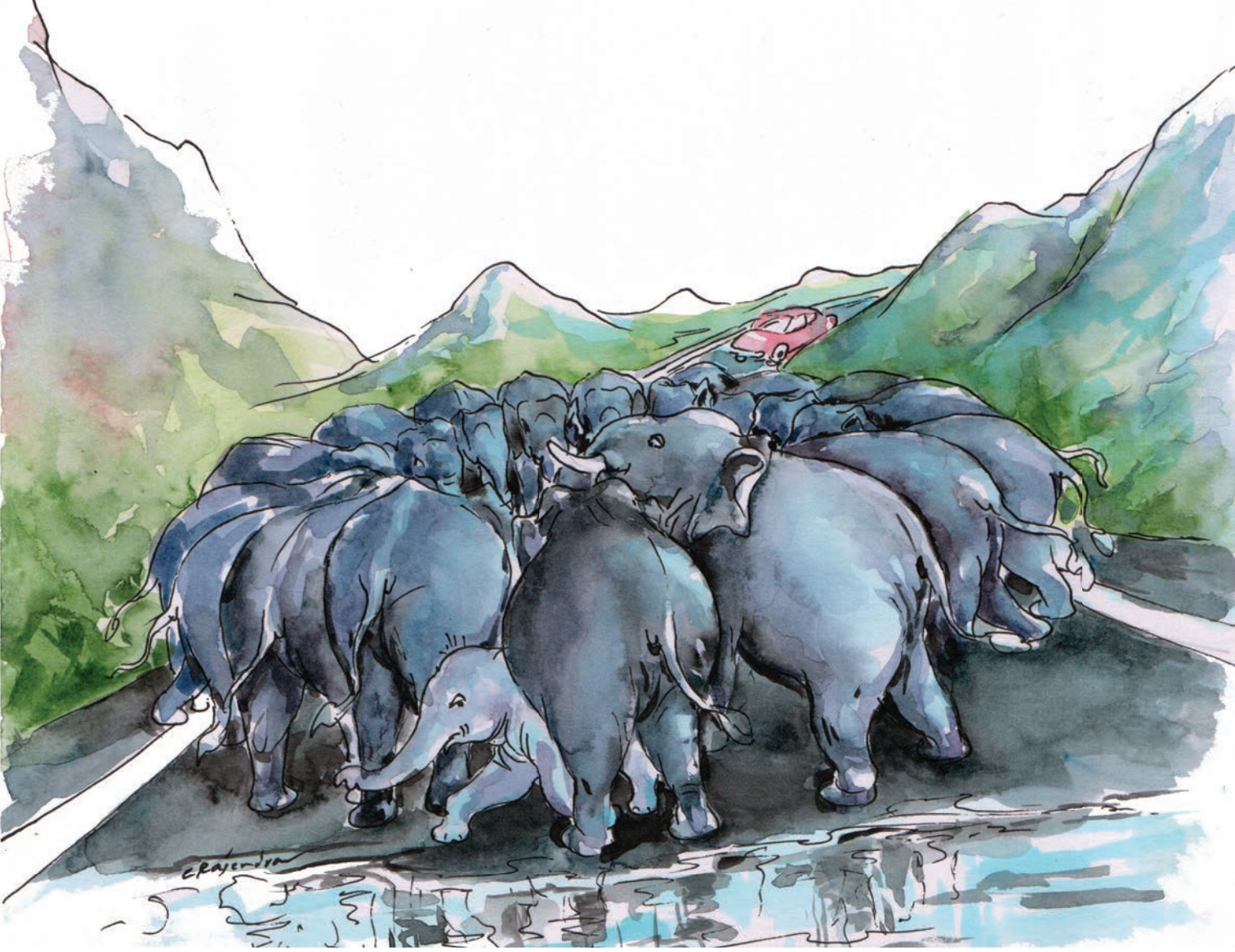

इस बार वहाँ पहुँचते ही हमें नदी की दोनों तरफ़ गाड़ियाँ खड़ी दिखीं। हम भी खड़े हो गए। अँधेरा होने लगा था, इसलिए कुछ लोगों ने अपनी गाड़ियों की हेडलाइट जला ली थीं। मेरी नज़र सामने एक बड़े हाथी पर पड़ी। मैंने इतना बड़ा हाथी पहले कभी नहीं देखा था। उसके साठ-सत्तर मीटर पीछे लगभग बीस छोटे-बड़े हाथियों का एक झुंड गोल बाँध कर खड़ा था।

हाथियों ने वह झुंड अपने बच्चों को बीच में रखने के लिए बनाया था। बच्चे बीच में थे और बड़े हाथियों ने उन्हें चारों तरफ़ से घेर रखा था। लेकिन बच्चे तो बच्चे ठहरे। हर दूसरे मिनट पर कोई न कोई बच्चा घेरा तोड़कर बाहर निकल जाता था। बड़े हाथी उसे पकड़कर घेरे में ले आते। सब बड़ा मज़ेदार

"बच्चे तो बच्चे ठहरे।" इससे आपने क्या समझा?

था। लेकिन सबसे ज़्यादा गौरतलब था सरदार (बड़े हाथी) का कुनबे की अगुआई का ढंग।

हाथियों का झुंड जहाँ का तहाँ खड़ा रहा और सरदार सधे कदमों से तीनों तरफ़ देखता हुआ धीरे-धीरे सड़क तक आया। सड़क पर पहुँचकर उसने चौथी तरफ़, यानी पीछे मुड़कर भी देखा। वह शायद पूरी तसल्ली कर लेना चाहता था कि उनके कुनबे पर कोई खतरा नहीं है। सरदार हाथी बीच सड़क पर दो-तीन मिनट खड़ा रहा। फिर चारों तरफ़ एक गोल चक्कर लगाया। इसके बाद सड़क पारकर गंगा नदी की तरफ़ वाले जंगल की ओर चला। करीब 50 मीटर आगे जाकर वह रुक गया। उसने फिर से मुड़कर देखा। चारों तरफ़ देख पूरी तसल्ली की। फिर वापस मुड़कर अपने

सरदार हाथी ने चारों तरफ़ एक गोल चक्कर क्यों लगाया ?

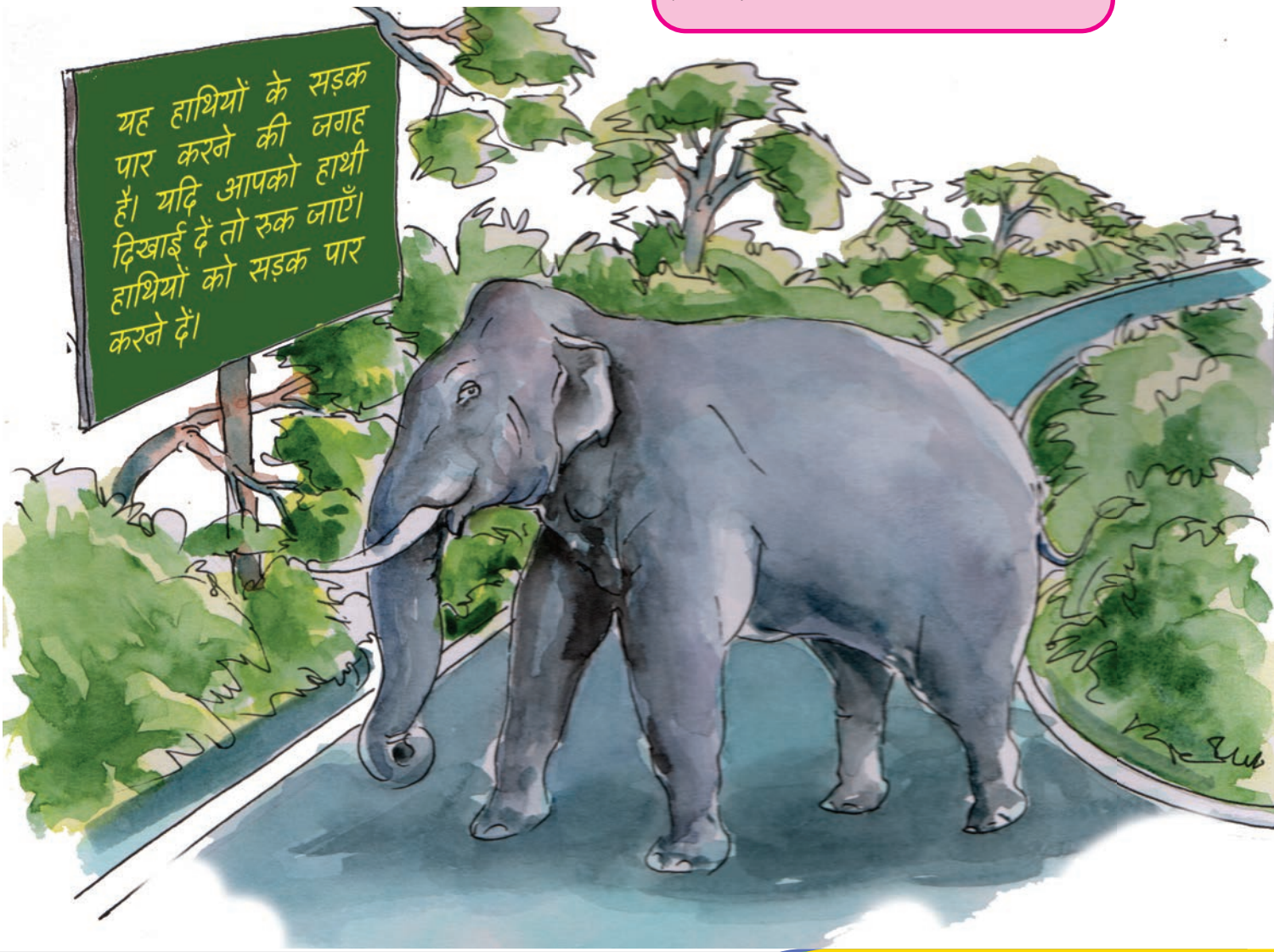

कुनबे की तरफ़ चला। बीच सड़क पर ठहरकर उसने फिर चारों तरफ़ देखा और अपने कुनबे के पास आया। कुनबा धीरज से अपने सरदार का इंतज़ार करता खड़ा था।

सरदार ने उनसे क्या कहा, यह तो हम नहीं जानते। लेकिन हमने देखा कि सरदार हाथी आगे-आगे और उसका कुनबा पीछे-पीछे गंगा की तरफ़ बढ़ा। सड़क पर सरदार हाथी एक बार फिर खड़ा हुआ। चारों तरफ़ देखा और गंगा की तरफ़ कदम बढ़ा दिए। पीछे-पीछे उसका पूरा कुनबा पानी पीने के लिए जंगल में चला गया।

मैंने इससे पहले इतनी संजीदगी और धीरज के साथ अपना फर्ज़ निभाते किसीको नहीं देखा था। किसी इनसान को भी नहीं।

"इतनी संजीदगी और धीरज के साथ अपना फर्ज़ निभाते किसी को नहीं देखा था। किसी इनसान को भी नहीं।" क्या आप इससे सहमत हैं?

सही वाक्य चुनकर लिखें :

- युवक ने हाथियों का वीडियो बनाया।
- हथिनी और छोटे बच्चे ने आसानी से डिवाइडर पार किया।
- बच्चों की सुरक्षा के लिए हाथियों ने झुंड बनाया।
- सरदार हाथी ने अपने कुनबे को सुरक्षित रखा।
- कुनबा पानी पीने केलिए चला गया।
- सरदार हाथी झुंड से अलग चला गया।

रेखांकित अंश पर ध्यान दें।

केरल और तमिलनाडु की सीमा पर बसे जंगल की बात है।

हथिनी और उसका बड़ा बच्चा आसानी से डिवाइडर पार कर गए।

चित्र देखें, नमूने के अनुसार सूचनापट तैयार करें।

सावधान

हाथियों के सड़क पार करने की जगह है।

विवरण तैयार करें :

आपने भी यात्रा के दौरान ऐसे कई दृश्य देखे होंगे । ऐसे किसी दृश्य का विवरण तैयार करें ।

परखें, अपने विवरण में...

शीर्षक लिखा है।	
स्थान का उल्लेख है।	
घटना का वर्णन है।	
जगह की विशेषताएँ लिखी हैं।	

पहचानें, लिखें :

एक	सौ	एक सौ	100
दो		दो सौ	200
तीन		.....	.....
चार		.....	.....
पाँच		.....	.....
छह		.....	.....
सात		.....	.....
आठ		.....	.....
नौ		.....	.....
दस		हज़ार	1000

यादवेंद्र

जन्म: 13 अक्तूबर 1957

यादवेंद्र का जन्म बिहार में हुआ। प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं में वे विज्ञान विषयक लेख लिखते हैं। 'तंग गलियों से भी दिखता है आकाश', 'जगमगाते जुगनुओं की जोत' आदि उनकी प्रमुख प्रकाशित कृतियाँ हैं।

मदद लें...

रहगुज़र - गुज़रने की राह, रास्ता

जंगल - वन

हथिनी - പിടിയാന, female elephant, ಹೆಣ್ಣಾನೆ ಪಿಡಿ, பெண் யானை

पार करना - കടന്നു പോകുക, to cross, ಹಾದುಹೋಗು, கடந்து செல்லுதல்

खास - विशेष

ऊँचाई - ഉയരം, height, ಎತ್ತರ, உயரம்

अंदेशा - संदेह

सूँड़ - തുമ്പിക്കൈ, trunk, ಸೊಂಡಿಲು, தும்பிக்கை

धकेलना - धक्का देना, തള്ളിമാറ്റുക, to push, ತಳ್ಳು, பிடித்து மாற்றுதல்

धीरज के साथ - धैर्य के साथ

निहारना - देखना

पतली - വീതികുറഞ്ഞ, thin, ಸಪೂರವಾದ, மெல்லிய

गुज़रना - निकल जाना, കടന്നുപോകുക, pass through, ಹಾದುಹೋಗು, கடந்து செல்லுதல்

नज़र - दृष्टि

लगभग - करीब, ഏകദേശം, approximate, ಸಾಧಾರಣ ಏಕತೆಸಂ

साठ-सत्तर - 60-70

झुंड - समूह

गोल बाँधना - സംഘം ചേരുക, to form a gang, ಗುಂಪು ಸೇರುವುದು, குழுவாகுதல்

घेरना - വലയം ചെയ്യുക , to encircle, ಮುತ್ತಿಗೆ ಹಾಕು, சுற்றிவளைந்து

कुनबा - परिवार, कुटुंब

चारों तरफ़ घेर रखना - വളയുക, encircle, ನಾಲ್ಕು ಭಾಗಕ್ಕೂ ಮುತ್ತಿಗೆಹಾಕು, வளைதல்

घेरा तोड़कर - വലയം ഭേദിച്ച്, breaking the circle ಹೊರವ ಲಯವನ್ನು ಬೇಧಿಸಿ, எல்லையைமீறி

मज़ेदार - രസകരം, interesting, ಸ್ವಾರಸ್ಯಕರವಾದ, இன்பமான

गौरतलब - ध्यान देने योग्य

अगुआई - नेतृत्व

जहाँ का तहाँ - എവിടെയാണോ അവിടെ, in the same place, ಎಲ್ಲಿಯೋ ಅಲ್ಲಿ/ಅದೇ ಸ್ಥಳದಲ್ಲ, எங்கோ அங்கு

सधे - ध्यानपूर्वक

कदम - पग, ചുവട്, footstep, ಹೆಜ್ಜೆ அடிச்சுவடு

यानी - मतलब

तसल्ली कर लेना - आश्वस्त होना, ആശ്വസിക്കുക, to relax, ಸಮಾಧಾನಪಡಿಸುವುದು, ஆறுதல்அடைதல்

चक्कर लगाया - घूमा-फिरा

मुड़ना - തിരിയുക, to turn,ತಿರುಗು, திரும்புதல்

ठहरना - रुकना

इंतज़ार करना - प्रतीक्षा करना

संजीदगी - गंभीरता, ഗൗരവം, seriousness, ಗಂಭೀರತೆ, தீவிரம்

फर्ज़ निभाना - दायित्व निभाना

भारत का संविधान

भाग 4 क

अनुच्छेद 51 क

मूल कर्तव्य-

भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह -

क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे,

ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे,

ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और अक्षुण्ण बनाए रखे,

घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे,

ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेद-भावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे, जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों,

च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझे और उनका परिरक्षण करे,

छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्यजीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे,

ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे,

झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे,

ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत् प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊँचाइयों को छू सके, और

ट) छह और चौदह साल के बीच के अपने बच्चे/बच्ची को या अपने संरक्षण में रहनेवाले बच्चे / बच्ची को उसके माता-पिता या अभिभावक तदनुकूल शिक्षा प्रदान करने का अवसर दें।

बच्चों के हक

प्यारे बच्चो,

क्या आप जानना चाहेंगे कि आपके क्या-क्या हक हैं? अधिकारों का ज्ञान आपको सहभागिता, संरक्षण, सामाजिक नीति आदि सुनिश्चित करने की प्रेरणा तथा प्रोत्साहन देगा। आपके अधिकारों के संरक्षण के लिए अब एक आयोग हैं– 'केरल राज्य बालाधिकार संरक्षण आयोग'। देखें, आपके क्या-क्या हक हैं–

- **अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का हक**
- **व्यक्तिगत स्वतंत्रता के साथ जीने का हक**
- **उत्तर जीवन एवं सर्वांगीण विकास का हक**
- **धर्म, जाति, वर्ग एवं वर्ण की संकीर्णता के परे आदर पाने एवं मान्यता प्राप्त करने का हक**
- **मानसिक, शारीरिक एवं लिंगपरक अतिक्रमण से परिरक्षण पाने का हक**
- **भागीदारी का हक**
- **बालश्रम से एवं खतरनाक पेशों से मुक्ति का हक**
- **बाल विवाह से परिरक्षण पाने का हक**
- **अपनी संस्कृति जानने एवं तदनुरूप जीने का हक**
- **उपेक्षाओं से परिरक्षण पाने का हक**
- **मुफ़्त तथा ज़बरदस्त शिक्षा पाने का हक**
- **खेलने तथा पढ़ने का हक**
- **सुरक्षित एवं प्रेमयुक्त परिवार तथा समाज में जीने का हक**

कुछ दायित्व

- **स्कूल एवं सार्वजनिक संस्थाओं का परिरक्षण करना।**
- **स्कूल एवं शैक्षिक प्रक्रियाओं में समय की पाबंदी रखना।**
- **अपने माता-पिता, अध्यापक, स्कूल के अधिकारी तथा मित्रों का आदर करना और उन्हें मानना।**
- **जाति-धर्म-वर्ग-वर्ण की संकीर्णताओं के परे दूसरों का आदर एवं सम्मान करना।**

Contact Address:
Kerala State Commission for Protection of Child Rights
'Sree Ganesh', T. C. 14/2036, Vanross Junction
Kerala University P. O., Thiruvananthapuram - 34, Phone: 0471-2326603
Email: childrights.cpcr@kerala.gov.in, rte.cpcr@kerala.gov.in
Website: www.kescpcr.kerala.gov.in

Child Helpline - 1098, Crime Stopper - 1090, Nirbhaya - 1800 425 1400
Kerala Police Helpline - 0471-3243000/44000/45000

Online R. T. E Monitoring : www.nireekshana.org.in